राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 03 जून 2025 वर्ष-8,अंक-104 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिना अनुमति मक्का में प्रवेश नहीं, 2.69 लाख लोगों को हज पर जाने से रोका

- हज नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगेगा भारी जुर्माना होगी कार्रवाई

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब में हज यात्रा को लेकर इस बार बहुत सख्ती बरती जा रही है। सरकार ने साफ कहा है कि बिना अनुमति कोई भी मक्का में कदम नहीं रख सकता। इस सख्ती के चलते अब तक 2.69 लाख से ज्यादा लोगों मक्का में आने से रोक दिया गया है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की और हज नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माने और कार्रवाई की बात कही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार का कहना है कि हज में भीड़भाड़ के लिए अनाधिकृत यात्रियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल की भीषण गर्मी में मरने वालों में बड़ी संख्या ऐसे ही बिना अनुमति आने वाले थे। फिलहाल, करीब 14 लाख से ज्यादा हज यात्री मक्का पहुंच चुके हैं और आने वाले दिनों में और भी लोगों के पहुंचने की संभावना है। सऊदी सरकार के नियमों के मुताबिक बिना अनुमति हज करने वाले व्यक्ति को पांच हजार अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना और निर्वासन जैसे कठोर दंड दिया जा सकता है। रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि 23,000 से ज्यादा सऊदी निवासियों पर हज नियमों के उल्लंघन के चलते जुर्माना लगाया गया है, जबकि हज से जुड़ी 400 कंपनियों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं।

आप किसी गठबंधन में नहीं, बिहार में अकेले लड़ेगी विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन इंडिया को झटका लगा है। आम आदमी पार्टी ने किसी भी गठबंधन में शामिल होने से इनकार कर दिया है। साथ ही कहा है कि बिहार में आप अकेले ही दम पर चुनाव लड़ेगी। आप दिल्ली चुनाव में करारी हार के बाद अब पंजाब पर फोकस कर रही है। साथ ही अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के शीर्ष नेता प्रचार के लिए रणनीति तैयार कर रहे हैं। आप के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक अनुराग ढांडा ने कहा कि आप किसी गठबंधन में नहीं है। हमारे पास अपनी खुद की ताकत है। हम इस पर आगे बढ़ रहे हैं। इंडिया गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि वह लोकसभा चुनाव के लिए था। हम अब किसी ब्लॉक का हिस्सा नहीं हैं। बता दें आप कई राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए संगठन मजबूत करने पर काम कर रही है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पार्टी ने राज्यों को दो कैटेगरी में बांटा है। ए-कैटेगरी में वह राज्य हैं, जहां बड़े टिकट पर मुकाबला है और जहां अरविंद केजरीवाल भी सक्रिय रहेंगे। इनमें गुजरात, हिमाचल प्रदेश, असम, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली और गोवा शामिल है।

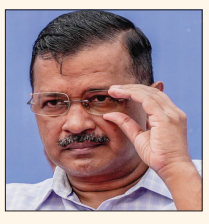

पीएम मोदी 6 जून को कटरा से कश्मीर के लिए पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जून को कटरा से कश्मीर के लिए पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रेल सेवा का उद्घाटन कर सकते हैं। यह ऐतिहासिक सेवा श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर, पवित्र नगर कटरा और कश्मीर घाटी को सीधे रेलमार्ग से जोड़ेगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री कटरा स्थित स्टेडियम में एक जनसभा को भी संबोधित कर सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक- कटरा से बारामुला तक वंदे भारत ट्रेन चलाने की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। पहले यह सेवा 19 अप्रैल को शुरू होनी थी, लेकिन खराब मौसम की चेतावनी के चलते इसे स्थगित कर दिया गया। इसके बाद 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और 7 से 10 मई के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर के कारण इसमें देरी हुई।

बिहार चुनाव को लेकर एक्टिव मोड में चुनाव आयोग

-3 चरणों में हो सकते हैं बिहार विधानसभा चुनाव

पटना(एजेंसी)। (ईएमएस)। इस साल के आखिर में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है। सूत्रों की माने तो बिहार में चुनाव 3 चरण में हो सकते हैं। माना जा रहा है कि वोटिंग की डेट में दिवाली और छठ पर्व का ध्यान रखा जाएगा। बता दें कि 2020 का विधानसभा चुनाव 3 फेज में हुआ था। चुनाव आयोग की टीम इसी महीने बिहार आएगी। हालांकि, अभी तारीख अभी तय नहीं है। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं. आयोग अब हर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को पहचान पत्र देने की तैयारी में है, जिससे वह घर-घर जाक सत्यापन का कार्य कर सकें. बिहार में मतदाता सूची अपडेट करने के लिए अभियान चलाया जाएगा, जिससे 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े जा सकें. चुनाव आयोग बिहार चुनाव तक इंटीग्रेटेड डैशबोर्ड शुरू कराने की भी तैयारी में है. इसमें आयोग से संबंधित सभी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध होंगी. सूत्रों की मानें तो बिहार में विधानसभा चुनाव इस बार दो से तीन चरणों में हो सकते हैं. चुनाव की तारीखें तय करते समय दीवाली और छठ जैसे त्योहार का भी ध्यान रखा जाएगा. बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 तक है और चुनाव आयोग की तैयारी इससे पहले चुनाव की प्रक्रिया पूर्ण कर लेने की है.

विमानन क्षेत्र में वैल्यू चेन लीडर के रूप में उभरेगा भारत : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आईएटीए (अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ) के सालाना आम बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र वैश्विक हवाई परिवहन उद्योग में एक प्रमुख इकाई है। उन्होंने कहा कि विमानन क्षेत्र के लिए भारत के पास एक बाजार, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष के लिए प्रतिभा और मुक्त एवं सहयोगी नीति मौजूद है। पीएम ने दावा किया कि भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा घरेलू नागर विमानन बाजार है। भारत विश्वस्तरीय हवाई अड्डों में निवेश कर रहा है, हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 162 हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए सरकार सभी कदम उठा रही। विमानों की मरम्मत एवं रखरखाव (एमआरओ) एक उभरता हुआ क्षेत्र, भारत को 2030 तक एमआरओ का एक वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि आज हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ हमारी यात्रा योजना सिर्फ़ धरती के शहरों तक ही सीमित नहीं है। आज इंसान अंतरिक्ष उड़ानों और अंतरग्रहीय यात्राओं का व्यवसायीकरण करने और उन्हें नागरिक उड्डयन के लिए खोलने का सपना देख रहा है। यह सच है कि इसमें अभी कुछ समय है, लेकिन यह बताता है कि आने वाले समय में एविएशन सेक्टर कितना बड़ा परिवर्तन और इनोवेशन का केंद्र बनने वाला है।

मोदी ने कहा कि भारत इन सभी संभावनाओं के लिए तैयार है। मैं भारत के तीन मजबूत स्तंभों का उल्लेख करता हूँ जो इसके लिए आधार हैं- पहला, भारत के पास बाज़ार है। यह बाज़ार सिर्फ़ उपभोक्ताओं का समूह नहीं है, बल्कि भारत के आकांक्षी समाज का प्रतिबिंब भी है। दूसरा, हमारे पास प्रौद्योगिकी और नवाचार के लिए जनसांख्यिकी और प्रतिभा है। हमारे युवा नए युग के नवोन्मेषक हैं जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सफलताएँ ला रहे हैं। तीसरा, हमारे पास उद्योग के लिए खुली और सहायक पारिस्थितिकी तंत्र नीति है। इन तीन क्षमताओं के आधार पर हमें भारत के एविएशन सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में भारत ने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है। हमारी उड़ान योजना की सफलता भारतीय नागरिक उड्डयन का एक स्वर्णिम अध्याय है। इस योजना के तहत 15 मिलियन से अधिक यात्रियों को किफायती हवाई यात्रा की सुविधा मिली है। कई नागरिकों ने पहली बार हवाई यात्रा की। हमारी एयरलाइंस भी लगातार दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल कर रही हैं।

भारत और उसके बाहर 25,000 से अधिक संगठनों ने योग दिवस को लेकर दिखाया उत्साह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 की तारीख करीब आने के साथ ही इसका उत्साह भी खासा बढ़ता नजर आ रहा है। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के प्रमुख उत्सव कार्यक्रम 'योग संगम' को पहले ही भारत और उसके बाहर 25,000 से अधिक संगठनों से असाधारण प्रतिक्रिया मिल चुकी है। जी हां, योग के अब तक के सबसे बड़े और सबसे समावेशी उत्सव के लिए मंच तैयार कर रहा है।

शीर्ष-स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों से लेकर प्रसिद्ध गैर सरकारी संगठनों तक, और प्रमुख कॉरपोरेट्स से लेकर प्रभावशाली सरकारी विभागों तक, हर तरफ से समर्थन मिल रहा है। एकल फाउंडेशन, अंतर्राष्ट्रीय योग संघ और अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संगठन जैसे संगठन उनमें से हैं जिन्होंने पूरे दिल से इसमें भाग लेने का संकल्प लिया है।

उल्लेखनीय शैक्षणिक संस्थानों ने योग संगम की भावना को उत्साह के साथ अपनाया है। आईआईटी कानपुर, आईआईएम मुंबई, एनआईटी कुरुक्षेत्र, आईआईएम बैंगलोर, बीआईटी मेसरा और वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने पंजीकरण कराया है, जिससे भारत के सबसे प्रतिष्ठित परिसरों में इस कार्यक्रम की गूंज दिखाई देती है।

यहां तक कि सरकारी विभाग भी उदाहरण पेश कर रहे हैं। गोवा वन भवन के प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय, अल्टिन्हो ने योग संगम के साथ हाथ मिलाया है - जो पर्यावरण जागरूकता और समग्र कल्याण के साथ योग के संरेखण पर प्रकाश डालता है।

वहीं राज्य स्तर पर, राजस्थान, तेलंगाना, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब संगठनात्मक पंजीकरण में अग्रणी के रूप में उभर रहे हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों में योग के लिए गहरे समर्थन को दर्शाता है।

मणिपुर में बाढ़, प्रभावित इलाकों से सैकड़ों लोगों का किया रेस्क्यू

-अस्पताल में फंसे मरीजों को निकालने नावों का किया इस्तेमाल

इंफाल (एजेंसी)। 'ऑपरेशन जलराहत-2' के दूसरे दिन भारतीय सेना और असम राइफल्स ने मणिपुर में व्यापक बाढ़ बचाव अभियान जारी रखा है। पिछले दो दिनों में बच्चों और बुजुर्गों समेत 1300 से ज्यादा नागरिकों को बचाया गया। मीडिया रिपोर्ट में रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि शनिवार को 800 लोगों को बचाया गया था और रविवार को इंफाल समेत सबसे ज्यादा प्रभावित इंफाल पूर्व और इम्फाल पश्चिम जिलों से 500 लोगों को बचाकर राहत शिविरों में ले जाया गया।

सेना और असम राइफल्स के जवानों ने वांगखेई, हेइंगंग, लामलोंग, खुरई, जेएनआईएमएस और अहलप जैसे गंभीर रूप से जलमग्न क्षेत्रों से लोगों को निकाला। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि बचाव कार्यों के लिए सेना के इंजीनियरों की बीएयूटी, इन्फ्लेटेबल नावों से लैस 10 बाढ़ राहत कॉलम्स को तैनात किया गया था। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने थौबल जिले के लिलोंग में अरपती लामखाई के पास टूटी हुई इरिल नदी की सीमा की दीवार की मरम्मत भी की ताकि आगे बाढ़ को रोका जा सके। सरकारी स्वामित्व वाले जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान (जेएनआईएमएस) और अस्पताल में फंसे मरीजों को सुरक्षित निकालने के लिए नावों का इस्तेमाल किया गया। राहत क्षेत्रों में विस्थापित परिवारों को करीब 800 बोतल पीने का पानी और अन्य जरुरी आपूर्ति वितरित की गई।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना और असम राइफल्स प्रभावित समुदायों तक पहुंचने और सभी तरह की मदद देने के लिए नागरिक अधिकारियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम करना जारी रखे हुए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन अधिकारी ने कहा कि इम्फाल और इरिल समेत कई नदियों ने खुरई, हेइंगंग, चेकोन और वांगखेई के कम से कम पांच क्षेत्रों में तटबंधों को तोड़ दिया, जिससे इम्फाल और आसपास के इलाकों के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए। इम्फाल पश्चिम जिले में नम्बुल नदी भी रविवार को उफान पर आ गई, जिससे उरीपोक और सामुसांग में बाढ़ आ गई। नगरम में, पूरे दिन बारिश होने से बाढ़ का पानी रहवासी क्षेत्रों में प्रवेश कर गया।

तुर्किये में दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई शांति वार्ता, यूक्रेन के दिए जख्मों को भुला जेलेंस्की को गले लगा पाएंगे पुतिन?

कीव (एजेंसी)। यूक्रेनी और रूसी प्रतिनिधियों ने इस्तांबुल में शांति वार्ता का दूसरा सत्र आयोजित किया। इस दौरान यूक्रेन ने युद्ध विराम और सभी कैदियों की अदला-बदली सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा। यह घटना कीव द्वारा यूक्रेनी सीमा से हजारों किलोमीटर दूर स्थित चार रूसी एयरबेसों पर हाई-एंड ड्रोन का उपयोग करके अचानक हमला करने के ठीक एक दिन बाद हुई है। इसे अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशनों में से एक कहा गया। यूक्रेन के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने किया, जबकि रूसी प्रतिनिधियों का नेतृत्व राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सलाहकार व्लादिमीर मेडिंस्की ने किया। रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों में उनके रक्षा, विदेश मामलों और खुफिया सेवाओं के

वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, साथ ही वार्ता में दोनों पक्षों का प्रतिनिधित्व करने वाले शीर्ष सलाहकार और उप मंत्री भी शामिल हैं। रिपोर्टों के अनुसार, तुर्की के अधिकारियों की मेजबानी में दूसरे दौर की वार्ता लगभग एक घंटे तक चली। यह 16 मई को हुई पहली वार्ता के बाद हुई है, जो दो घंटे तक चली और बड़े पैमाने पर कैदियों की अदला-बदली पर समझौते के साथ संपन्न हुई, लेकिन युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई।

यूक्रेन का ड्रोन हमला

इस तनाव को और बढ़ाते हुए यूक्रेन ने 1 जून को रूस के खिलाफ बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया, जिसमें कथित तौर पर चार रूसी एयरबेस और 40 युद्धक विमानों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, हमलों में यूक्रेन से 7,000 किलोमीटर से अधिक दूर रूस के आर्कटिक, साइबेरिया और सुदूर पूर्व में स्थित ठिकानों को निशाना बनाया गया। यूक्रेनी संसद की सदस्य किरा रुडिक ने कीव द्वारा किए गए ड्रोन ऑपरेशन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 0 रूसी जेट विमानों का नष्ट होना कोई संयोग नहीं है। रूस हम पर 500 ड्रोन और मिसाइलें दागता रहता है - यह केवल समय की बात है कि कब उनकी तरफ से चीजें बदलनी शुरू होंगी।

राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा पांच जून को, सीएम योगी आदित्यनाथ रहेंगे उपस्थित

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर विराजमान श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ तीन जून से होने जा रहा है। यह त्रिदिवसीय धार्मिक अनुष्ठान पांच जून को गंगा दशहरा के पावन पर्व के दिन पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मंदिर परिसर में उपस्थित रहेंगे। विशेष बात यह है कि पांच जून को मुख्यमंत्री का जन्मदिन भी है, जिससे यह दिन और

अधिक पुण्यमय बन गया है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने सोमवार को यहां पत्रकारों को बताया कि मंदिर के परकोटे में छह देवी-देवताओं के मंदिर शिवलिंग, गणपति, हनुमान जी, सूर्य, भगवती और अन्नपूर्णा और शेषावतार के आठ मंदिरों की भी प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। पूजन कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे से आरंभ होंगे और अंतिम दिन यानी पांच जून को सुबह 11:25 बजे मुख्य प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पहुंचा लंदन, अंबेडकर संग्रहालय का किया दौरा

-थिंक-टैंक और भारतीय प्रवासियों के प्रमुख प्रतिनिधियों से करेगा मुलाकात

लंदन (एजेंसी)। रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में लंदन पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को अंबेडकर संग्रहालय का दौरा किया। सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को स्पष्ट करने के लिए इंग्लैंड के दौरे पर है। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत

किया। यह प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत द्वारा आतंकवाद को हराने के लिए भारत की स्पष्ट प्रतिबद्धता को व्यक्त करने के लिए साझेदार देशों तक पहुंचने के प्रयासों का हिस्सा है।

प्रतिनिधिमंडल ने लंदन स्थित अंबेडकर संग्रहालय का दौरा किया और बाबा साहेब अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। बाबा साहेब के नेतृत्व और दूरदर्शिता का स्मरण करते हुए सांसदों के दल ने याद दिलाया कि पाकिस्तान द्वारा समर्थित आतंकवाद का सबसे जघन्य उदाहरण 26 नवंबर 2008 को मुंबई में शुरू हुआ था। यह वह दिन था जब हमने 1949 में बाबा साहेब अंबेडकर के नेतृत्व में तैयार संविधान को अपनाया था। सांसदों ने सभी प्रकार के आतंकवाद का सामना करने और उसे पराजित करने के संकल्प पर जोर दिया।

दुनियाभर में पाक को बेनकाब कर लौट रहे सर्वदलीय डेलिगेशन से मिलेंगे पीएम मोदी, 9-10 जून को हो सकती है मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन बहुपक्षीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मिलने की उम्मीद है, जिन्हें पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत के बाद भारत के कूटनीतिक प्रयासों के तहत 33 देशों में भेजा गया था। यह बैठक 9 या 10 जून को नई दिल्ली में होने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद, वरिष्ठ राजनीतिक नेता और अनुभवी राजनयिक शामिल हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने भारत की स्थिति पेश करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने का काम सौंपा गया है। सूत्रों के अनुसार, आगामी बैठक में प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री को अपनी यात्रा के दौरान हुए प्रमुख घटनाक्रमों से अवगत कराएंगे जिसमें उच्च स्तरीय बैठकें, रणनीतिक बातचीत, तथा पहलगाम हमले और भारत के व्यापक आतंकवाद-रोधी प्रयासों के संबंध में विभिन्न देशों से प्राप्त प्रतिक्रियाएं शामिल होंगी। सरकार ने सात प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजे। प्रत्येक का नेतृत्व एक प्रमुख सांसद द्वारा किया गया।

बांग्लादेश में करेंसी से हटाई शेख मुजीब की तस्वीर, नई करेंसी जारी

-करेंसी में मस्जिद-मंदिर की तस्वीरें, विपक्ष व नागरिक पूछ रहे सवाल

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश बैंक ने नई करेंसी जारी की है जिसमें दशकों से मौजूद राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर को हटा दिया गया है, उसकी जगह धार्मिक स्थलों विशेष रूप से मस्जिदों की तस्वीरें छापी गई हैं। करेंसी में मंदिर की तस्वीरें भी लगाई है, लेकिन सवाल एक प्रमुख मस्जिद की तस्वीर को लेकर, जिसे लेकर विपक्ष, बुद्धिजीवी और आम नागरिक सवाल पूछ रहे हैं। क्या यह नया बांग्लादेश है या तालिबानी सोच की वापसी?

1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान से आजादी दिलाने वाले शेख मुजीब बांग्लादेश की पहचान थे। उनके चेहरे वाला नोट सिर्फ करेंसी नहीं था बल्कि एक विचार था, लेकिन अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद सत्ता में आई नई सरकार का रुख अब इस पहचान को मिटाने में लगा है। सिर्फ करेंसी नहीं कई सरकारी इमारतों, संस्थानों और सड़कों से भी शेख मुजीब से जुड़ी पहचान को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बांग्लादेश बैंक ने 9 में से 3 नोटों की नई सीरीज जारी की है। इसमें न किसी नेता का चेहरा है, न राष्ट्रपिता की छवि। करेंसी में मस्जिद बौद्ध विहार, मंदिर और बंगाल अकाल पर आधारित एक प्रसिद्ध चित्र को। हालांकि जहां एक ओर ये विविधता प्रतीत होती है, वहीं मस्जिद की प्रमुखता को लेकर यह आलोचना हो रही है कि धार्मिक एजेंडा को 'राष्ट्रीय प्रतीकों' पर थोपने की कोशिश की जा रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल में मानवता के खिलाफ अपराधों का केस दर्ज हो चुका है. उन पर 2024 के छात्र आंदोलनों को कुचलने के आरोप हैं जिसमें 1400 से अधिक मौतें हुईं. लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि नई सरकार जिसने अब तक खुद को लोकतांत्रिक बताया है न तो इस केस पर कोई पारदर्शिता दिखा रही है और न ही शेख हसीना के विरोध में हुई कार्रवाइयों की निष्पक्ष जांच की बात कर रही है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बांग्लादेश में यह बदलाव किसी सुधार की दिशा में नहीं बल्कि आइडेंटिटी वाइपआउट की रणनीति की तरह लग रहा है. नई सरकार न सिर्फ पुराने शासन के प्रतीकों को हटाने में लगी है, बल्कि अपने धार्मिक और वैचारिक एजेंडे को 'राष्ट्रीय गौरव' के नाम पर थोप रही है. बांग्लादेश कभी भी तालिबान जैसा कट्टरपंथी देश नहीं रहा. लेकिन आज जो बदलाव वहां की नीतियों, प्रतीकों और सरकार के कामकाज की शैली में देखने को मिल रहा है, वह उस ओर इशारा जरूर कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदलते दौर में अनिवार्यता बनती साइकिल

आज के ज़माने में लोग घंटों साइकिल चालकर इससे सेहत और वातावरण को पहुंचने वाले फायदों के बारे में जागरुकता फैलाते हैं। हालांकि यूरोप, डेनमार्क, नीदरलैंड इत्यादि दुनिया के कई हिस्से आज भी ऐसे हैं, जहां साइकिल के जरिये ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाया जाता है। साइकिल का दौर 1960 से लेकर 1990 के बीच काफी अच्छा चला लेकिन उसके बाद समय बदलता गया और साइकिल का चलन भी कम होता गया। बीते कुछ वर्षों में पर्यावण की महत्ता और साइकिल चलाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ को देखते हुए लोग साइकिल की ओर आकर्षित हुए हैं और यही कारण है कि अब केवल भारत ही नहीं बल्कि जापान, इंग्लैंड सहित कई विकसित देशों में भी साइकिलों का उपयोग बढ़ रहा है।

(लेखक- – योगेश कुमार गोयल)

(विश्व साइकिल दिवस (3 जून) पर विशेष)

एक समय ऐसा था, जब लोग मीलों दूर का सफर भी पैदल अथवा बैलगाड़ियों के माध्यम से कई-कई दिनों में पूरा किया करते थे। साइकिल के आविष्कार ने लोगों की दुनिया ही बदल डाली, जिसने लोगों के लिए मीलों दूर का सफर भी आसान बना दिया था। कुछ दशक पूर्व तो बहुत से छात्र स्कूल तक पहुंचने के लिए भी मीलों दूर का सफर साइकिल से ही तय किया करते थे। हालांकि वह ऐसा दौर था, जब साइकिल को आमतौर पर निर्धनता का प्रतीक समझा जाता था और साइकिल को गरीब तथा मध्यम वर्ग के यातायात का ही अहम हिस्सा माना जाता था। तब खासकर मजदूर वर्ग के लोग, दूध वाले, स्कूल जाने वाले छात्र इत्यादि ही साइकिल पर दिखते थे। साइकिल की कीमत तब ज्यादा नहीं होती थी और प्रायः एक ही जैसी साइकिलें बाजार में मिलती थी लेकिन समय के साथ बदलती तकनीक के दौर में साइकिलें भी हाईटैक होती गई और आज बाजार में कुछ हजार से लेकर लाखों रुपये तक की साइकिलें उपलब्ध हैं।

समय के साथ साइकिल की उपयोगिता और महत्व भी बदलता गया है और आज के आधुनिक दौर में साइकिलें अधिकांशतः व्यायाम अथवा शारीरिक फिटनेस के तौर पर प्रयोग की जाती हैं। आज के ज़माने में लोग घंटों साइकिल चालकर इससे सेहत और वातावरण को पहुंचने वाले फायदों के बारे में जागरुकता फैलाते हैं। हालांकि यूरोप, डेनमार्क, नीदरलैंड इत्यादि दुनिया के कई हिस्से आज भी ऐसे हैं, जहां साइकिल के जरिये ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाया जाता है। साइकिल का दौर 1960 से लेकर 1990 के बीच काफी अच्छा चला लेकिन उसके बाद समय बदलता गया और साइकिल का चलन भी कम होता गया। बीते कुछ वर्षों में पर्यावण की महत्ता और साइकिल चलाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ को देखते हुए लोग साइकिल की ओर आकर्षित हुए हैं और यही कारण है कि अब केवल भारत ही नहीं बल्कि जापान, इंग्लैंड सहित कई विकसित देशों में भी साइकिलों का उपयोग बढ़ रहा है। भारत का साइकिल उद्योग आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और भारत साइकिल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है।

साइकिल पर्यावरण के लिए यातायात का सबसे उत्तम साधन है क्योंकि इसके उपयोग से डीजल-पैट्रोल का दोहन कम होने के साथ ही प्रदूषण स्तर भी कम होता है, साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने में भी साइकिल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साइकिल चलाने से न केवल पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक होता है। यही कारण है कि साइकिल की विविधता, मौलिकता और परिवहन के एक व्यापक और सहज साधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 3 जून को 'विश्व साइकिल दिवस' मनाया जाता है। अप्रैल 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 3 जून को यह दिवस मनाने की घोषणा साइकिल सवारी से मिलने वाले स्वास्थ्य, पर्यावरण और आवागमन के लिए सबसे सस्ता साधन इत्यादि को देखते हुए की थी। दरअसल साइकिल का महत्व धीरे-धीरे घटता जा रहा था, तकनीक के विकास के साथ ही पैट्रोल-डीजल इत्यादि से चलने वाली गाड़ियों का उपयोग बढ़ने लगा और लोगों ने समय की बचत तथा सुविधा के लिए साइकिल चलाना बेहद कम कर दिया। इसीलिए साइकिल के उपयोग और जरूरत के बारे में बच्चों और अन्य लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व साइकिल दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने पर्यावरण सुरक्षा को भी साइकिल चलन को बढ़ावा देने का अहम उद्देश्य माना है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साइकिल दिवस मानव प्रगति, उन्नति, स्थिरता, सामाजिक समावेश और शांति की संस्कृति के प्रतीक के रूप मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत को लेकर अमेरिका के मोंटगोमरी कॉलेज के प्रोफेसर लेसजेक सिबिल्स्की ने एक अभियान चलाया था, जिसका समर्थन तुर्कमेनिस्तान और 56 अन्य देशों ने किया था। सिबिल्सकी ने ही साइकिल दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद सिबिल्सकी और उनके साथियों द्वारा उसका प्रचार-प्रसार किया गया।

साइकिल यातायात का ऐसा साधन है, जो वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसे चलाने के लिए पैट्रोल, डीजल या सीएनजी जैसे किसी ईंधन की जरूरत नहीं पड़ती। साइकिल चलाने से अच्छा व्यायाम हो जाता है, जिससे वजन कम करने से लेकर मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। साइकिल चलाना एक प्रकार की एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को चुस्त-दुरूस्त रखने, पतला होने और मांसपेशियों को टोन करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाने वाले व्यक्ति को कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह जैसी भयानक बीमारियों का जोखिम कम होता है और यदि कोई व्यक्ति प्रकृति के करीब साइकिल चलाता है तो यह उसे तरोताजा रखने के साथ-साथ उच्च रक्तचाप जैसी समस्या को भी दूर रखने में मददगार है। साइकिल चलाने से मूड अच्छा होने में भी मदद मिलती है। कई अध्ययनों में यह तथ्य सामने आया है कि प्रतिदिन आधा घंटा साइकिल चलाने से ही हम मोटापा, हृदय रोग, मानसिक बीमारी, मधुमेह, गठिया इत्यादि कई बीमारियों से बच सकते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक उम्र बढ़ने के साथ घुटनों की समस्या नहीं हो, इसके लिए प्रतिदिन साइकलिंग करनी चाहिए, जिससे जोड़ों में किसी प्रकार का दर्द नहीं होगा। साइकिल चलाने से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि मस्तिष्क अधिक सक्रिय रहता है, ब्रेन पावर बढ़ती है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइकिल चलाने से 15 से 20 प्रतिशत अधिक दिमाग सक्रिय होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साइकलिंग करने से इम्यून सिस्टम तो अच्छा होता ही है, साथ ही इम्यून सेल्स भी एक्टिव हो जाते हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। साइकलिंग परिवहन का सबसे सस्ता साधन है, जिससे रत्तीभर भी पर्यावरण प्रदूषण नहीं होता। आधा घंटा साइकलिंग करने से बॉडी फिट रहती है, शरीर पर चर्बी नहीं आती, पाचन क्रिया ठीक रहती है, हृदय और फेफड़े मजबूत बनते हैं और कई जानलेवा बीमारियां दूर रहती हैं। चूंकि साइकिल स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन है, इसीलिए दुनियाभर में साइकिल के चलन को बढ़ावा देने का सीधा सा अर्थ है वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करना क्योंकि साइकलिंग में स्वाभाविक शून्य उत्सर्जन मान होता है, इसीलिए यह कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कमी में बड़ा योगदान देती है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

पढ़ने की उम्र में जुर्म

हिसार में सहपाठी द्वारा प्रतिशोध में कक्षा दस के एक छात्र की गोली मारकर की गई हत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। एक साल पहले स्कूल में डेस्क पर बैठने को लेकर विवाद की खुंदक आरोपी छात्र अपने दिमाग में पालता-पोसता रहा। फिर एक दिन सहपाठी को सुबह मिलने के बहाने बुलाया और अपने दादा के हथियार से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बेहद दुखद है और हर मां-बाप के लिये बेहद चिंता का विषय कि उनके बच्चे का सहपाठी भी इतना खूंखार हो सकता है। हमारे जिस समाज की प्यार, सामंजस्य व सहयोग के लिये मिसाल दी जाती थी, उसमें ये किशोर आखिर ऐसा भयानक कदम कैसे उठा रहे हैं? जिस उम्र में किशोरों को पढ़ना-लिखना था, उस समय में वे हिंसक गतिविधियों में क्यों लिप्त हो रहे हैं? दोषी तो आरोपी छात्र के अभिभावक भी हैं कि जिन्होंने घातक हथियार को लापरवाही से घर में छोड़ा, जिससे आरोपी ने हत्या को अंजाम दिया। बताते हैं कि आरोपी छात्र के दादा सेना से सेवानिवृत्त हैं और एक बैंक में सुरक्षा गार्ड हैं। कितनी दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि मृतक छात्र अपने परिवार में इकलौता था और अपने परिवार को हमेशा के लिये रोता-बिलखता छोड़ गया। एक समय अमेरिका व यूरोप में ऐसी घटनाएं सुनने में आती थी। अब ये किशोर अपराध हमारे दरवाजों पर भी दस्तक देने लगे हैं। समाज में व्याप्त नकारात्मकता व हिंसक प्रवृत्ति का किशोरों द्वारा अनुकरण करना हमारे समाज के लिये खतरे की घंटी ही है। बीते मार्च में दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक छात्र की ऐसी ही निर्मम हत्या हुई थी। वजीराबाद की घटना में एक नौवीं के छात्र का अपहरण करके उसके परिजनों से दस लाख की फिरौती मांगी गई थी। छात्र की हत्या के बाद जांच में पता चला कि उसके अपहरण व हत्या में तीन किशोर संलिप्त थे। आए दिन स्कूल-कालेज विवाद में हिंसक घटनाएं हमें परेशान करती हैं। यदि कम उम्र के बच्चों व किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रतिशोध की प्रवृत्ति पर लगाम न लगी तो डर लगता है कि आने वाले समय में हमारे समाज का स्वरूप कैसे होगा। सवाल यह है कि आखिर किशोरों में आपराधिक प्रवृत्तियां क्यों पनप रही हैं। आखिर उन्हें मां-बाप का संघर्ष क्यों नहीं दिखायी देता कि वे कैसे उन्हें पाल-पोस व पढ़ा-लिखा रहे हैं? समाज विचार करे कि वे कौन से कारक हैं जो बच्चों को आपराधिक प्रवृत्ति का बना रहे हैं। उनके द्वारा ऐसे जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिये जिम्मेदार प्रवृत्ति का स्रोत क्या है? ऐसे बच्चों में कानून का भय क्यों नहीं है? कभी लगता है कि हमारे जीवन का हिस्सा बने तकनीकी साधन बच्चों के विवेक पर आक्रमण कर रहे हैं। जिससे उनमें सही-गलत की सोच की प्रक्रिया बाधित हो रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म, वेब सीरीज तथा इंटरनेट में व्याप्त आपराधिक कार्यक्रम उन्हें हिंसक बना रहे हैं। जिससे वे बेलगाम सपनों के संजाल में भी फंसते हैं, जिन्हें पूरा करने को वे हिंसक राह पर उतर जाते हैं।

आम आदमी की सवारी है साइकिल

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(03 जून विश्व साइकिल दिवस पर विशेष)

साइकिल मानव ऊर्जा को गतिशीलता में बदलने के लिए अब तक का सबसे कुशल साधन है। साइकिल का व्यापक रूप से परिवहन, मनोरंजन और खेल के लिए उपयोग किया जाता है साइकिलें उन क्षेत्रों में लोगों और सामान को ले जाने के लिए आवश्यक हैं जहां कम वाहन उपलब्ध हैं। साइकिल से वायु प्रदूषण को कम करने के साथ पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। ऐसे में विश्व साइकिल दिवस का महत्व समाज के सभी लोगों के बीच साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देना और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य कल्याण को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर साइकिल सवारी को प्रोत्साहित करना है।

3 जून 2018 को पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम सातवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी। 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुकोआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है।

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है।

भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजर अंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं।

बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी।

देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं।

देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है।

अब तो विभिन्न प्रकार के फीचर से लैस गियर वाली कीमती साइकिले बाजार में आ गई है। पहले लोगों के पास सामान्य साइकिले ही हुआ करती थी। जिनके पीछे एक कैरियर लगा रहता था। जिस पर व्यक्ति अपना सामान रख लेता था व जरूरत पड़ने पर दूसरे व्यक्ति को बैठा लेता था। कई बार तो साइकिल सवार आगे लगे डंडे पर भी अपने साथी को बिठाकर 3-3 लोग साइकिल पर सवारी करते थे। साइकिल से वातावरण में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता था। पेट्रोल डलवाने का झंझट भी नहीं था। साइकिल उठाई पैडल मारे और पहुंच गए अगले स्थान पर। पहले के जमाने में साइकिल के आगे एक छोटी सी लाइट भी लगी रहती थी। जिसका डायनुमा पीछे के टायर से जुड़ा रहता था। साइकिल सवार जितनी तेजी से साइकिल चलाता उतनी ही अधिक लाइट की रोशनी होती थी।

2020 में विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निर्माता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोग बेरोजगार हो गये। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निर्माता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी।

(चिंतन- मनन)

सच्चा मित्र संजीवनी की तरह

हम सभी के परिचित और दोस्त होते हैं। भले ही बचपन के, स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या आस-पास कॉलोनी में रहने वाले हों, मित्र तो सभी के होते हैं। सच्चा मित्र बनना और बनाना हर इंसान की इच्छा होती है। लेकिन, सच्चे मित्र बहुत कम मिल पाते हैं। ऐसा मित्र, जिस पर हम भरोसा कर सकें, जिसके साथ अपनी हर बाते शेयर कर सकें। धर्मशास्त्रों में सच्चा मित्र उसे कहा गया है, जो सुख-दुख में साथ दे। ऐसे दोस्त से कभी भी डर नहीं लगता। ये सही रास्ते पर चलने में हमारे मददगार होते हैं। लेकिन, ऐसा दोस्त कौन है? क्या वह जो सिर्फ परिचित है? सच्ची दोस्ती प्रेम, विश्वास व भरोसा, एक-दूसरे का ख्याल रखने और चिंताओं पर ही आधारित होती है। क्या, कभी इस प्रश्न का उत्तर आपने खुद से पूछा है? प्रिय शब्दों से मित्रों की संख्या बढ़ती है और मधुर वाणी से मैत्रीपूर्ण व्यवहार। हमारे परिचित अनेक हों, किंतु परामर्शदाता ईश्वर एक ही है। ईश्वर ही सच्चा दोस्त है, जो जीवन के हर पल में हमारी परछाई बनकर साथ रहता है। उस पर अपनी आंखें बंद कर, विश्वास व भरोसा करते हैं। जब सुखी या दुखी होते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना के रूप में उससे बातें करते हैं। जीवन की हर बात उससे साझा करते हैं और फिर खुद को हल्का महसूस करते हैं। किसी भी कार्य की शुरुआत हम ईश्वर से आशीर्वाद लेकर ही करते हुए कहते हैं-हे मेरे मालिक, मुझ पर अपनी छत्र-छाया बनाए रख, मेरा मार्गदर्शन कर और मुझे सफलता प्रदान कर। कोई मित्र अवसरवादी होता है, वह विपत्ति में साथ नहीं देगा। कोई मित्र शत्रु बन जाता है और अलगाव का दोष भी हमें ही देता है। कोई मित्र हमारे यहां खाता-पीता है, किंतु विपत्ति के वक्ति दिखाई नहीं देता। समृद्धि के दिनों में वह हमारा अंतरंग बन कर रौब जमाता है, किंतु दुर्दिन आते ही शत्रु बनकर मुंह फेर लेता है। परीक्षा लेने के बाद किसी को मित्र बना लो, लेकिन उस पर तुरंत विश्वास मत करो। अपमान, अहंकार और विश्वासघात के कारण मित्रता टूट जाती है। कभी ऐसा भी होता है, जिस दोस्त पर हम सबसे ज्यादा विश्वास व भरोसा करते हैं, वही विश्वासघात करता है और हृदय पर चोट लगने पर मित्रता टूट जाती है।

अगर, हम संकट और दरिद्रता में मित्र का साथ दें तो उसकी समृद्धि और विरासत के साझेदार बन सकते हैं। सच्चा दोस्त जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उससे घर-परिवार व समाज में पहचान बनती है। सच्चा मित्र प्रबल सहायक है। जिसे मिल जाता है, समझो उसे खजाना मिल गया। ऐसे मित्र की कीमत धन से नहीं चुकाई जा सकती। सच्चा मित्र असल में संजीवनी है। इंसान जैसा है, उसका मित्र भी वैसा ही होगा।

विचार मंथन

लेजर हथियारों के साथ लड़ा जाएगा विश्व युद्ध?

(लेखक- सनत जैन)

इजराइल दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने युद्ध क्षेत्र में लेजर हथियारों का इस्तेमाल कर दुश्मन के ड्रोन गिराये हैं। इजराइल के रक्षा मंत्रालय के ब्रिगेडियर जनरल ने इसकी पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि हमने हाई पावर लेजर का पहला प्रयोग युद्ध भूमि पर सफलतापूर्वक किया है। एक वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें लेजर किरणें ड्रोन पर निशाना साधते हुए दिख रही हैं। लेजर किरणों से ड्रोन के पंख में आग लग गई और वह गिरकर नष्ट हो गया। लेजर सिस्टम की इजराइल डिफेंस कंपनी ने इसे विकसित किया है। यह तकनीक प्रकाश किरण (लेजर बीम) के माध्यम से अपने लक्ष्य को तय करती है और लक्ष्य में पहुंचते ही उसे नष्ट कर देती है। इजराइल लेजर को आयरन बीम के साथ जोड़कर बड़े पैमाने पर इसकी तैनाती कर रहा है। वर्तमान में तीसरे युद्ध की आशंका देखने को मिल रही है। घातक हथियारों से पूरी दुनिया के देश लेस हैं। तीसरा विश्व युद्ध अत्याधुनिक तकनीकी से लड़ा जाएगा, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई, ऑटोमेटिक सिस्टम और घातक हथियारों के साथ होगा। यदि इस प्रकार से तीसरा विश्व युद्ध होगा तो कितना विनाशकारी होगा, इसकी कल्पना मात्र से भय लगता है। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से युद्ध क्षेत्र में पारंपरिक हथियार ड्रोन के माध्यम से अत्याधिक स्वचालित प्रणाली से जो युद्ध लड़े जा रहे हैं, वह मानवीय जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं। अत्याधुनिक प्रभावशाली घातक हथियार जिस तरह से विनाश कर रहे हैं, उसको देखते हुए आज सारी दुनिया भयाक्रांत है। किस देश ने कौन सी तकनीकी तैयार कर ली है और कौन से हथियार तैयार कर लिए गए हैं, इसकी जानकारी अन्य देशों के पास उपलब्ध नहीं होने से इनसे बचाव करना भी बड़ा मुश्किल हो गया है। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले कई महीनों से युद्ध चल रहा है। इसमें दोनों ही देश का भारी विनाश हुआ है। इजराइल आज सारी दुनिया के लिए एक सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच शुरू हुए युद्ध में अभी तक लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा एक तरह से बर्बाद हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस युद्ध को रोकने में कोई भूमिका अदा नहीं कर पाई हैं। हमास को खत्म करने के लिए इजराइल ने जो हमले गाजा पर शुरू किए थे, वे इतने विनाशकारी होंगे इसकी कल्पना भी वर्तमान में करना मुश्किल है। अब लेजर किरणों से यदि विश्व युद्ध लड़ा जाएगा तो भगवान ही मालिक होगा। इसके परिणाम किस तरह के होंगे, यह कहना मुश्किल है। युद्ध के मैदान में अभी तक लाइटरिंग म्युनिशंस ड्रोन लक्ष्य का पता लगाकर हमला करते हैं। मिसाइल रक्षा प्रणालियां एआई आधारित ड्रोन, परमाणु हथियार, रूस की सामरिक परमाणु मिसाइल, उत्तर कोरिया की हाउसांग मिसाइलें, रासायनिक एवं जैविक हथियारों आदि का तृतीय विश्व युद्ध में यदि उपयोग किया गया, तो विनाश की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जिस तरह से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका दिखने लगी है, उसको देखते हुए महाभारत काल की भी याद आने लगी है। भगवान कृष्ण के कहने पर कौरवों ने पांच गांव भी पांडवों को नहीं दिए थे। महाभारत का युद्ध हुआ। यह इतना विनाशकारी था कि युद्ध खत्म होने के बाद कौरव और उनकी सेना पूरी तरह से नष्ट हो गई। भगवान कृष्ण के नेतृत्व में पांडव यह युद्ध जीत गए थे। लेकिन किसके ऊपर राज करेंगे यह उन्हें समझ नहीं आया। जिनके ऊपर राज करना था वह महाभारत के युद्ध में नष्ट हो चुके थे। ऐसी स्थिति में पांडवों को भी वानप्रस्थ की ओर जाना पड़ा था। संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं का इजराइल पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। अमेरिका भी इजराइल को नियंत्रित नहीं कर पा रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू किसी की बात सुनने के लिए तैयार नहीं है। दूसरी तरफ रूस और यूक्रेन के कई महीनो से चल रहे युद्ध को भी रोका नहीं जा सका है। भारत और पाकिस्तान के बीच एक नया तनाव देखने को मिल रहा है। चीन नई भूमिका में आ गया है। ऐसी स्थिति में जो दुनिया भर के देशों ने घातक हथियार बनाकर रखे हैं, उनसे कितना बड़ा नुकसान होगा। इसकी कल्पना सहज रूप से नहीं की जा सकती है। दुनिया के सभी देशों में आज एक दूसरे से लड़ने की मानसिकता बनी हुई है। प्रथम विश्व युद्ध में जो विनाश हुआ था, उसके बाद लोगों ने शांति के पथ की ओर बढ़ाना शुरू किया था। दूसरा विश्व युद्ध पहले विश्व युद्ध की तरह नहीं था द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सारी दुनिया के देश शांति के साथ मानवीय सभ्यता का विकास कर रहे थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विशेष रूप से वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो पूंजीवाद का भयानक रूप सामने देखने को मिल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.40 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी मुद्रा के कमजोर होने से रुपया को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे मजबूत होकर 85.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की आगामी मौद्रिक नीति में प्रमुख ब्याज दर में और कटौती की उम्मीदों से भी घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि अस्थिर शेयर बाजार, विदेशी पूंजी की निकासी तथा वैश्विक व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.55 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ 85.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 99.21 पर रहा।

सरकारी कंपनियों का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत की सरकारी कंपनियों ने पिछले वित्तवर्ष में बैंक, वितीय और तेल-गैस क्षेत्र में बंपर मुनाफा कमाया है, परंतु इस वर्ष इसमें गिरावट आई है। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों और सरकार को डिविडेंड भी दिया है, लेकिन 2024-25 में इसका प्रतिशत कम हो गया है। सरकारी कंपनियों का 2025 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से भारत सरकार को कुल 82,995 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। यह पिछले वर्ष से लगभग एक फीसदी कम है। मुख्य कारण इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया जैसी 15 सरकारी कंपनियों के कम भुगतान का है।

यश बैंक ने 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि लक्ष्य निर्धारित किया

नई दिल्ली।

तकनीक और वितरण क्षमता मजबूत करने के लिए ध्यान केंद्रित करने पर यस बैंक ने वित्त वर्ष 2026 में वृद्धि दर को तेज करने की योजना बनाई है। यह नीति अनुशासित तरीके से लागू की जाएगी। बैंक ने 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि लक्ष्य निर्धारित किया है जिसका मुख्य उद्देश्य वितरण को बेहतर बनाना और बाजार की बारीकी से निगरानी रखना है। यह योजना यस बैंक के खुदरा कारोबार को मजबूत करने के लिए कदम उठाएगी। बैंक के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने वर्ष 2025 के साथ एक साक्षात्कार में बातचीत किए और बताया कि बैंक विशेष ध्यान देकर एक मजबूत खुदरा फ्रैंचाइजी बनाने का लक्ष्य रखता है। कहा गया कि अगले वर्ष का लक्ष्य मध्यम वृद्धि होगा और बैंक वितरण पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने उत्पाद का कवरेज बढ़ाना चाहते हैं और खुदरा कारोबार में वृद्धि करना चाहते हैं। यस बैंक का खुदरा कारोबार सालाना आधार पर 1.01 लाख करोड़ रुपये रह गया था। इस श्रेणी में एसएमई, मिड कॉर्पोरेट और कॉर्पोरेट ऋण सभी विभागों ने सालाना बृ्र्यिों दर से वृद्धि की थी।

अब केवल सॉफ्टवेयर इंजीनियर होना ही काफी नहीं: एआई विशेषज्ञ

मझोले स्तर के मैनेजरों की नौकरियां खतरे में

नई दिल्ली।

अब केवल सॉफ्टवेयर इंजीनियर होना ही काफी नहीं है। यह बात आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञ ने पिछले दिनों बेंगलूरु में आयोजित एक बैठक में कही। उन्होंने अगली पीढ़ी के कौशल के बारे में सोचने के महत्त्व को समझाते हुए कहा कि अपने कौशल को निखारें। विश्लेषकों का मानना है कि एआई के दौर में कौशल को बेहतर करने के लिए हो रही तमाम बातों के बीच प्रौद्योगिकी क्षेत्र में मझोले स्तर के मैनजर नाजुक स्थिति में दिख रहे हैं। उन्होंने ‍कहा` कि आगे मझोले स्तर के प्रबंधन की नौकरियां जांच के दायरे में आ सकती है। ऐसा खास तौर पर तब दिखेगा जब एआई एजेंट निगरानी एवं निर्णय लेने में बेहतर होते जाएंगे। ऐसे में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बड़ी तादाद में मझोले स्तर के मैनेजरों को नए सिरे से कुशल बनाने अथवा किसी नए काम पर लगाने की जरूरत होगी अन्यथा वे बेकार हो जाएंगे। यह भी एक तथ्य है कि स्वचालन एवं एआई के कारण न केवल प्रवेश स्तर की नौकरियां प्रभावित होंगी बल्कि अनुभव वाले पदों पर भी उसका असर दिख सकता है। इससे काफी अनिश्चितता पैदा हो गई है और लोग खुद को नए सिरे से कुशल बनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार करीब 20 साल के अनुभव वाले मझोले स्तर के मैनेजरों की नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। उनका कहना है कि इन पदों पर बैठे लोगों को केवल मैनेजर ही नहीं बने रहना चाहिए बल्कि एआई की दुनिया में नई तकनीकी विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिए।

मारुति सुजुकी की बिक्री मई में बढ़कर 1,80,077 इकाई हुई

मुंबई।

मारुति सुजुकी इंडिया ने मई महीने में अपनी कुल वाहन बिक्री को सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़ाकर 1,80,077 इकाई तक पहुंचाया है। यह बिक्री वृद्धि आर्थिक संकट के बीच एक उज्जवल संकेत है। ग्रैंड विटारा, ब्रेजा, जिम्नी, एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री मई में 54,899 इकाई पहुंच गई, जो मई 2024 में 54,204 इकाई थी। वहीं ईको वैन की बिक्री भी सालाना आधार पर 10,960 इकाई से बढ़कर 12,327 इकाई हो गई। मारुति सुजुकी इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि छोटी कारों में आए घाटे की वजह से कंपनी की बिक्री में कुचलाव आया है। एक साल पहले घरेलू यात्री वाहन की बिक्री में वृद्धि होते हुए इस माह की बिक्री में 6 प्रतिशत की कमी आई है। कॉम्पैक्ट कारों की भी बिक्री मई 2024 में 68,206 इकाई की तुलना में घटकर 61,502 इकाई रही है। इसमें बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर शामिल हैं। मारुति सुजुकी इंडिया अपनी नई यातायात वाहनों के लिए नए बाजार और संगठनों में अपनी अवधारणाओं के साथ मजबूती जारी रखने का संकल्प कर रही है।

भारत में अमीरों की संख्या 50 फीसदी तक बढ़ने की संभावना

लग्जरी रिटेल बाजार भी 2025 तक बढ़ सकता है 15 से 20 प्रतिशत

मुंबई।

भारत में अमीर व्यक्तियों की संख्या में 2023 से 2028 तक लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हो सकती है। यह बात एक रिपोर्ट के आधार पर कही गई है। इसके साथ, भारत के लग्जरी रिटेल बाजार में 2025 तक 15 से 20 प्रतिशत सालाना की दर से वृद्धि की संभावना है। इस ग्रोथ में जनसंख्या की संरचना में बदलाव, तेजी से होता शहरीकरण और उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में बदलाव समेत कई महत्वपूर्ण कारण हैं। हालांकि कुछ चुनौतियां भी उभरी हैं। 7 लाख रुपए से अधिक के आयातित उत्पादों पर वृद्धि हुई टैक्स उपभोक्ता को मेड इन इंडिया उत्पादों की ओर आकर्षित कर सकती है। साथ ही 28 फीसदी ग्राहक जीएसटी भी इस बाजार की ग्रोथ के लिए एक बड़ी बाधा हो सकती है। इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था में धारावाहिक वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम के अनुसार भारत की जीडीपी 2026 तक 4.187 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है, जो जापान से अधिक होगी। फैशन, ज्वेलरी और लग्जरी घड़ियों जैसे सेगमेंट में भारत में 2019 से 2023 के बीच 5 फीसदी की सालाना ग्रोथ दर्ज की गई, जो 2025 में कुछ मामूली गिरावट देखने के साथ भी अस्वीकृत की गई। इस गिरावट का कारण चीन जैसे प्रमुख बाजारों में आर्थिक संकट बताया जा रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत का अर्थव्यवस्था क्षेत्र उच्च स्तर पर बढ़ रहा है, और अमीरों की संख्या में बढ़ोतरी होती जा रही है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई और दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 77 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.75 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.14 फीसदी टूटकर 24,716.60 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर अडाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, इटरनल (जोमेटो), पावर ग्रिड कॉर्प, एसबीआई के शेयर उछले जबकि टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन कंपनी, एचडीएफसी बैंक टॉप के शेयर गिरे। आज रियल्टी इंडेक्स में 2 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी, मेटल में 0.5 फीसदी की गिरावट आई। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी है। बैंकिंग, ऑटो और आई शेयर में गिरावट रही। वहीं एफएमसीजी और उर्जा शेयर्स में बढ़त रही। बाजार जानकारों के अनुसार मेटल पर अमेरिकी टैरिफ से भारतीय निर्यातकों को खतरा पैदा हुआ है जिससे भी बाजार में गिरावट आई। इसके अलावा कमजोर वैश्विक संकेत और व्यापार तनाव की आशंका से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। अमेरिकी फेड की टिप्पणी और नौकरियों के आंकड़ों से पहले सावधानी बरतने से भी निवेशक बाजार से दूर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुले। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के स्टील आयात पर टैरिफ को 25 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी करने के ऐलान से मेटल स्टॉक्स में गिरावट आई। इसके सीधा सार बाजार पर भी बड़ा। सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 81,214 पर खुला। हालांकि खुलते ही बाजार में बिकवाली हावी हो गई। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 675.09 अंक की गिरावट लेकर 80,775.92 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,669.70 अंक पर खुला। खुलते ही इंडेक्स में गिरावट गहरी हो गई।` जिसके बाद यह 198.45 अंक फीसदी की गिरावट के साथ 24,568 पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट में बंद हुए। ट्रम्प की तरफ से स्टील आयात पर टैरिफ में भारी वृद्धि की घोषणा के बाद एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। निक्केई में 1.21 फीसदी की गिरावट आई। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स

इंडेक्स में 0.83 फीसदी की गिरावट आई। एएसएक्स200 में 0.1 फीसदी की गिरावट आई। दूसरी ओर, कोस्पी ने इस रुझान को पलटते हुए 0.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की। चीन, मलेशिया और न्यूजीलैंड के बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे। जून के पहले कारोबारी सेशन से पहले अमेरिकी शेयर फ्यूचर्स में गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 और नैस्डैक-100 वायदा दोनों में 0.3 फीसदी की गिरावट आई। जबकि डॉव जोन्स फ्यूचर्स में भी 0.3फीसदी की गिरावट आई। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट पर मिलाजुला सत्र रहा। एसएंडपी 500 लगभग अपरिवर्तित रहा, केवल 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ। नैस्डैक में 0.32 फीसदी की गिरावट आई, जबकि डॉव जोन्स में 0.13 फीसदी की वृद्धि हुई।

सोने के भाव में तेजी,चांदी ने भी दिखाई चमक

सोने के भाव 96,150 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 97,200 रुपए

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के वायदा भाव सोमवार कारोबार की शुरुआत में तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोमवार को सोने के भाव 96,150 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना-चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 256 रुपये की तेजी के साथ 96,131 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,875 रुपये था। इस समय यह 255 रुपये की तेजी के साथ 96,130 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 361 रुपये की तेजी के साथ 97,376 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,015 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 170 रुपये की तेजी के साथ 97,185 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,296.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

पिछला बंद भाव 3,288.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 17.70 डॉलर की तेजी के साथ 3,306.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.13 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 33.02 डॉलर था। इस समय यह 0.12 डॉलर की तेजी के साथ 33.14 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कनेक्टिविटी बढ़ने से मजबूत हो रहा भारतीय विमानन बाजार

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात एसोसिएशन ने बताया कि भारतीय विमानन बाजार कनेक्टिविटी, नेटवर्क और हवाई अड्डा बुनियादी ढांचे में वृद्धि के साथ मजबूत होकर उभर रहा है। देश में मजबूत एयरलाइनों के उभरने के कारण भारतीय विमानन बाजार में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। भारत, नेपाल और भूटान के एक अे धिकारी ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में एसोसिएशन के उद्घाटन समारोह की मेजबानी की। उन्होंने एसोसिएशन की नींव मजबूत करने के लिए हवाईअड्डा बुनियादी ढांचे में भी उल्लेखनीय वृद्धि की बात कही और इसे देश के लिए एक अच्छी नींव प्रदान करने वाला माना। उन्होंने यह भी बताया कि सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) उत्पादन की उम्मीद 2026 तक भारत में है। आईटीए का कहना है कि वे लगभग 350 एयरलाइनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो वैश्विक हवाई यातायात का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। एसोसिएशन 42 वर्षों के बाद पहली बार भारत में अपनी वार्षिक आम बैठक आयोजित करेगा, जिसके माध्यम से देश के विमानन उद्योग का विकास किया जाएगा। विमानन उद्योग सीधे तौर पर 3,69,700 लोगों को रोजगार देता है और देश की जीडीपी में 5.6 अरब डॉलर का योगदान देता है। इसके अलावा विमानन सेक्टर 77 लाख नौकरियां प्रदान करता है और 53.6 अरब डॉलर का योगदान करता है।

रूसी तेल पर अमेरिकी सीनेटर का प्रतिबंध, भारत के आयात पर पड़ेगा असर

अमेरिकी सीनेटरों ने पेश किया 500 फीसदी शुल्क का प्रस्ताव

नई दिल्ली।

अमेरिका के सबसे शक्तिशाली सीनेटरों में से एक ने रूस के कच्चे तेल के कारोबार पर प्रतिबंध बढ़ाने के लिए एक विधेयक का प्रस्ताव रखा है, जिससे भारत के रूसी तेल के आयात पर हो सकता है नकारात्मक प्रभाव। इस प्रस्ताव के तहत देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने की संभावना है, जिसमें भारत और चीन भी शामिल हैं।

यह कदम रोजाना लगभग 20 लाख बैरल रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति पर खतरा उत्पन्न कर सकता है।

साथ ही इस प्रस्ताव से आने वाले कठोर उपायों से भारत का कच्चे तेल आयात को पंगु बनाने का खतरा है। यह फरवरी महीने में लगभग 15.4 करोड़ डॉलर की मूल्यवर्धित आपूर्ति पर प्रभाव डाल सकता है।

स्थिति में अब तक 80 से अधिक सीनेटरों ने इस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सहयोगी सीनेटर लिंडसे ग्राहम भी शामिल हैं। इसे देशों जैसे जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ योगदान के माध्यम से तैयार किया गया है, जिन्होंने हाल ही में रूसी जहाजों पर कुछ सख्त नए प्रतिबंध लगाए हैं। भारत ने इन प्रतिबंधों को अब तक मान्यता नहीं दी है, लेकिन आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों का सावधानी से पालन कर रहा है। यह हाल फरवरी में रूस की सबसे सस्ती क्रूड तेल कीमतों पर भारत के आयात पर भारी प्रभाव डालने की संभावना बना सकता है। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों को भी भारत नहीं मानता, लेकिन भारतीय बैंक और रिफाइनर अमेरिका से सावधान रहते हैं। यूरोपीय बेंचमार्क क्रूड ब्रेंट की तुलना में रूसी तेल 2 से 5 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर सुरक्षित किया गया था। फरवरी मे इराक के बाद रूस का कच्चा तेल सबसे सस्ता था, जो 77 डॉलर प्रति बैरल पर मिल रहा था। सीमा शुल्क के आंकड़ों के आधार पर गणना से पता चलता है कि सऊदी अरब और अमेरिका के तेल की तुलना में रूस का तेल 5 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था।

अनिल अंबानी की कंपनियों ने एक महीने में ही निवेशकों को दिया अच्छा रिटर्न

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को करना पड़ रहा है चुनौतियों का सामना

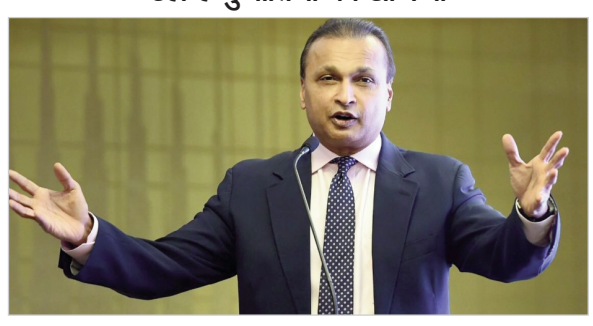

मुंबई।

अनिल अंबानी और मुकेश अंबानी दोनों दु निया के` दिग्गज कारोबो रियों में शो मिल हैं। कुछ समय पहले अनिल अंबानी लगातार नुकसान में जा रहे थे और बड़े भाई मुकेश अंबानी की कंपे नियों में तेजी देखी जा रही थी।

ले किन इस समय अनिल अंबानी की प्रतिष्ठित कंपनियों में तेजी देखने को मिल रही है, जबकि मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अनिल अंबानी की कंपनियों ने एक महीने के भीतर अच्छे रिटर्न प्रदान किए हैं। रिलायंस पावर ने 125 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने 90 फीसदी रिटर्न दिया है और रिलायंस होम फाइनेंस ने 50 फीसदी रिटर्न दिया है। अनिल अंबानी का इस प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वहीं मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को एक साल में 6 फीसदी की गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। यह चुनौती के समय की निशानी हो सकती है जो इस बढ़ते हुए बिजनेस जंग में किसी के भी जीत पर सवाल उठा सकती है। मुकेश अंबानी को अपने कंपनी को पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है ताकि वह अपनी स्थिति को सुधार सकें और दुविधाओं का सामना कर सकें।

ऐप्पल भारत में बढ़ा रहा कारोबार, 8,000 वर्ग फुट का स्टोर किराए पर लिया

यह स्टोर बेंगलुरु का पहला और भारत का तीसरा रिटेल स्टोर होगा

नई दिल्ली।

ऐप्पल भारत में कारोबार बढ़ा रहा है। ऐप्पल ने उत्तरी बेंगलुरु के फीनिक्स मॉल ऑफ एशिया में एक स्टोर किराए पर लिया है। यह स्टोर करीब 8,000 वर्ग फुट में फैला है। यह बेंगलुरु में ऐप्पल का पहला और भारत का तीसरा रिटेल स्टोर होगा। इससे पहले मुंबई और दिल्ली में ऐप्पल के बड़े स्टोर खोले हैं। ऐप्पल के सीईओ ने बताया था कि आईफोन बनाने वाली यह कंपनी भारत में अपने स्टोर की संख्या में इजाफा करेगी। मीडिया रिपोर्ट में रियल एस्टेट की जानकारी देने वाली कंपनी के मुताबिक ऐप्पल ने 10 साल के लिए यह जगह किराए पर ली है। इसके लिए कंपनी हर साल 2.09 करोड़ रुपए भुगतान करेगी। यह रकम इतनी ज्यादा है कि इसमें नोएडा में दो फ्लैट खरीदे जा सकते हैं। एग्रीमेंट के मुताबिक लीज 8 नवंबर 2024 से शुरू हो गई है, लेकिन किराए का भुगतान 8 अगस्त 2025 से शुरू होगा। हर तीन साल में किराया और सिक्योरिटी डिपॉजिट 15 फीसदी बढ़ जाएगा। किराए के साथ-साथ ऐप्पल को अपनी कमाई का कुछ हिस्सा भी देना होगा। पहले 36 महीनों के लिए यह हिस्सा 2 फीसदी होगा। उसके बाद यह 2.5 फीसदी हो जाएगा, लेकिन कंपनी को रेवेन्यू शेयर के तौर पर इतना ही पैसा देना होगा जो सालाना किराए के दोगुने से ज्यादा न हो। ऐप्पल भारत में अपने रिटेल कारोबार को और मजबूत करना चाहती है। इसलिए वह नए स्टोर खोल रही है। साथ ही ऐप्पल की मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर कंपनी फॉक्सकॉन भी बेंगलुरु में एक नई फैक्ट्री लगाने की तैयारी है। ऐप्पल इंडिया ने 4.33 करोड़ रुपए का डिपॉजिट भी दिया है। इस डील में दो लॉक-इन पीरियड भी हैं। पहला 31 दिसंबर 2027 तक और दूसरा 31 दिसंबर 2028 तक है। लॉक-इन पीरियड का मतलब है कि इस दौरान कंपनी लीज को खत्म नहीं कर सकती। साल 2023 में ऐप्पल ने मुंबई के एक मॉल में तीन फ्लोर पर 20,000 वर्ग फुट से ज्यादा जगह किराए पर ली थी। इसके लिए कंपनी हर महीने करीब 42 लाख रुपए किराया दे रही थी। वहीं दिल्ली में कंपनी ने जो स्टोर किराए पर लिया है, उसका भी सालाना किराया करीब 5 करोड़ रुपए है।

एयर इंडिया और एयर मॉरीशस की ‘कोडशेयर’ साझेदारी बढ़ेगी

कुल 17 मार्गों पर ‘कोड’ साझा किया जाएगा

नई दिल्ली।

विमानन कंपनी एयर इंडिया और एयर मॉरीशस ने अपनी ‘कोडशेयर’ साझेदारी का विस्तार करने की घोषणा की है। उनका कहना है` कि इस साझेदारी के माध्यम से भारत को दक्षिण अफ्रीका, रीयूनियन और मेडागास्कर के साथ बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी। एयर इंडिया और एयर मॉरीशस के बीच कुल 17 मार्गों पर ‘कोड’ साझा किया जाएगा। इस साझेदारी के तहत उपभोक्ताओं को अधिक सुविधाएं प्राप्त होंगी और बेहतर विमानन सेवाएं मिलेंगी। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन तथा एयर मॉरीशस के चेयरमैन किशोर बीगू ने इस साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। एयर इंडिया अपना ‘एआई’ कोड एयर मॉरीशस की उड़ानों पर लगाएगा जो दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन, जोहान्सबर्ग, और मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो से आती-जाती हैं। इस साझेदारी से यात्रियों को मॉरीशस, रीयूनियन और दक्षिण अफ्रीका के बीच संचार करने का अच्छा अवसर प्राप्त होगा। ‘कोडशेयर’ साझेदारी के अंतर्गत उड़ानों के लिए टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान की जाएगी, जो यात्रियों को सरलता और सुविधा देगी। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों कंपनियों की संयुक्त प्रयासों से यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा, साथ ही दोनों उड़ान सेवाओं को मजबूत करने में सक्षम होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विराट के पब वन8 कम्यून के खिलाफ मामला दर्ज

कर्नाटक।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के पब, वन8 कम्यून के खिलाफ कर्नाटक में मामला दर्ज किया गया है। यह पब बेंगलुरु के रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर बना हुआ है। पुलिस ने विराट के वन 8 कम्यून पब और रेस्टोरेंट के खिलाफ सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के उल्लंघन के लिए बेंगलुरु में मामला दर्ज किया है। पब पर इस अधिनियम की धारा 4 और 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है क्योंकि रेस्टोरेंट में धूम्रपान के लिए कोई अगल क्षेत्र नहीं है। पब में धूम्रपान क्षेत्र को लेकर जरूरी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। इस अधिनियम के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान के लिए सख्त नियम निर्धारित किए थे, और इनका पालन न करना अपराध माना जाता है।गौरतलब है कि इससे पहले भी वन 8 कम्यून को कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। पिछले साल जून में भी इस पर एफआईआर दर्ज की गई थी। बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका ने भी दिसंबर में रेस्टोरेंट को अग्निशमन विभाग से एनओसी न लेने के लिए नोटिस जारी किया था।

आईपीएल खिताब जीतने आज आरसीबी और पंजाब किंग्स में होगा मुकाबला

अहमदाबाद।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। दोनो ही टीमें इस मुकाबले को जीतकर खिताब अपने नाम करना चाहेंगी। दोनो ही टीमों ने अब तक ये खिताब नहीं जीता है जिससे दोनो के ही प्रशंसकों को उम्मीद है कि उनकी टीमें जीतेंगी। इससे भी टीमों पर दबाव होगा। आसीबी जहां चौथी बार फाइनल में पहुंची है, वहीं पंजाब की टीम दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। ऐसे में दोनो ही टीमों का लक्ष्य इसे जीतकर 18 साल के खिताब के इंतजार को समाप्त करना होगा। सभी की नजरें इस मैच में आरसीबी के अनभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर टिकी रहेंगी जो शुरुआत से ही टीम से जुड़े होने के बाद भी एक बार टीम को जीत नहीं दिला पाये। वह लंबे समय तक टीम के कप्तान भी रहे हैं। वहीं अब आरबीबी की कप्तानी युवा रजत पाटीदार कर रहे हैं और ऐसे में टीम की किस्मत बदल सकती है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल मुकाबले में कोहली का समर्थन उनका उत्साह बढ़ाने के लिए 18 नंबर की जर्सी पहने नजर आ सकते हैं। आरसीबी ने इस सत्र में शुरुआत से ही अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने पहले क्वालीफायर में पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और अब टीम अपने इसी प्रदर्शन को दोहराने के लिए उतरेगी। कोहली ने इस सत्र मे 614 रन बनाये हैं। वह इस साल आसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ रहे हैं।। इस बार उन्हें अन्य खिलाड़ियों का भी अच्छा साथ मिला जिससे भी अंतर पैदा हुआ है। इस सत्र में कोहली के अलावा फिल साल्ट ने भी आरसीबी की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं मयंक अग्रवाल, कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है। टिम डेविड चोटिल होने के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए, अब देखना बाकी है कि वह इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। उन्होंने रोमारियो शेफर्ड के साथ मिलकर डेथ ओवरों में अहम भूमिका निभाई है। वहीं जोश हेजलवुड की वापसी से भी टीम की गेंदबाजी मजबूत हुई है। हेजलवुड ने अब तक 21 विकेट लिए हैं। वह आईपीएल के वर्तमान सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अभी चौथे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर मुल्लांपुर में अपने घरेलू मैदान पर पहले क्वालीफायर में आरसीबी से मिली करारी हार के बावजूद श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की टीम जीत की प्रबल दावेदार है। उसने दूसरे क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। उसने पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस को हराकर एक दशक बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। 10 टीमों की अंक तालिका के दूसरे हाफ में लगातार शीर्ष पर रहने वाली पंजाब किंग्स ने कप्तान अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग की देखरेख में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अय्यर ने अब तक 603 रन बनाये हैं। उनकी कप्तानी में पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स खिताब जीती थी और अब वह पंजाब को खिताब जिताना चाहेंगे। इस तरह से लगातार दूसरी बार आईपीएल फाइनल में पहुंचना एक ऐसे नेतृत्वकर्ता के रूप में उनकी क्षमताओं को बताता है। इससे अंदाजा होता है वह अपने

खिलाड़ियों को अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं। अय्यर टूर्नामेंट के 18 साल के इतिहास में एकमात्र क्रिकेटर हैं, जिन्होंने आईपीएल फाइनल में तीन अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते हुए उन्हें फाइनल में पहुंचाया है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी संतुलित है। प्रभसिमरन सिंह, जोश इंगलिस, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे अच्छे बल्लेबाज पंजाब किंग्स के पास हैं, जिससे वह अपनी स्थिति को मजबूती से बनाए रख सकते हैं और विरोधी खेमे पर आक्रामक खेल से दबाव बना सकते हैं हालांकि मार्को यानसन के बिना पंजाब की गेंदबाजी कुछ कमजोर हुई है पर टीम के पास अर्शदीप सिंह जैसा अच्छा गेंदबाज है। मुंबई इंडियंस पर उसके गेंदबाजों ने अच्छा अंकुश लगाया था। है। उसके स्पिनर युजवेंद्र चहल दूसरे क्वालीफायर में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे पर इस मैच में वह टीम को जीत दिलाने पूरा प्रयास करेंगे।

आईपीएल के इस सत्र में लगे सबसे अधिक 1271 छक्के

मुम्बई।

आईपीएल के इस 18 वें सत्र में जमकर छक्के लगे हैं। इस सत्र में अब तक 1271 छक्के लगे हैं। इसी के साथ अब तक 1260 छक्कों का इतिहास आईपीएल 2014 का रिकार्ड टूट गया। वहीं साल 2023 आईपीएल में 1124 छक्के लगे थे। एक आईपीएल सत्र में हजार से अधिक छक्के लगाने का कारनामा कुल चार बार हुआ है। आईपीएल के पहले सत्र में कुल 622 छक्के लगे थे। एक सत्र में हजार सिक्स का आंकड़ा पहली बार आईपीएल 2022 में पहुंचा था। 15वें सत्र में खिलाड़ियों ने 1062 छक्के लगे थे। आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब टीम का जवाब नहीं है। पंजाब ने सत्र में सबसे ज्यादा 159 छक्के लगाये हैं। उसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) है, जिसने 152 छक्के लगाये हैं। एलएसजी लीग चरण से ही बाहर हो गई थी। वहीं, आईपीएल 2025 में सर्वाधिक छक्के मारने वाले खिलाड़ियों की सूची में फिलहाल एलएसजी के निकोलस पूरन शीर्ष पर हैं। पूरन ने 14 मैचों में 40 छक्के लगाये हैं। वहीं दूसरे स्थान पर श्रेयस हैं। उन्होंने 16 मैचों में 39 छक्के लगाये हैं। अय्यर ने मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ क्वालीफायर-2 में बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने 41 गेंदों में नाबाद 87 रन बना, जिसमें पांच चौके और 8 छक्के शामिल थे। श्रेयस की पारी के बल पर पंजाब ने 204 रनों का लक्ष्य 6 गेंद पहले ही हासिल कर लिया।

सूर्यकुमार ने आईपीएल में डिविलियर्स का रिकार्ड तोड़ा

अहमदाबाद।

मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। सूर्या इस सत्र में ऐसे बल्लेबाज के रूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं जो ओपनर के तौर के तौर पर न उतरा हो। सूर्यकुमार ने इस सत्र में 691 रन बनाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी के पूर्व स्टार एबी डिविलियर्स के साल 2016 के रिकॉर्ड 687 रन को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में तीसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के ऋषभ पंत हैं, जिन्होंने साल 2018 में 684 रन बनाए थे, जबकि चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के केन विलियमसन 2018 में 622 रन और पांचवें स्थान पर सूर्यकुमार यादव ही हैं, जिन्होंने 2023 में 605 रन बनाए थे। सूर्यकुमार के इस रिकार्ड से उनकी विस्फोटक और अनोखी बल्लेबाजी शैली साबित हुई है। मुंबई इंडियंस के लिए मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए, उन्होंने अपनी 360 डिग्री शॉट-खेले औ दबाव में रन बनाने बनाये हैं। ये सत्र उनके करियर का सबसे रहा जिसमें उनकी निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने का जुनून दिखा। सूर्यकुमार ने तेज गति से रन बनाए, जिसमें कई अर्धशतक और एक शतक भी शामिल रहा, जिसने उनकी टीम को कई अहम जीत मिली। यह रिकॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि सलामी बल्लेबाजों के अलावा अन्य बल्लेबाजों को कम गेंदें खेलने को मिलती हैं डिविलियर्स का 2016 का प्रदर्शन लंबे समय तक बना रहा। पर इस बार सूर्यकुमार ने इसे मामूली अंतर से तोड़ दिया।

पांड्या बोले, हम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये।

अहमदाबाद।

आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर-2 में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या निराश नजर आये हालांकि उन्होंने हार के लिए किसी खिलाड़ी को दोष नहीं दिया। इस मैच में हार के साथ ही मुम्बई प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। इस मैच में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने जीत छीन ली। अय्यर ने चौथे नंबर पर उतरने के बाद 41 गेंदों में पांच चौकों और 8 छक्कों की बदौलत नाबाद 87 रन बनाकर अपने टीम को जीत दिला दी। हार के बाद पांड्या ने कहा कि अगर शायद मैंने थोड़ा बेहतर प्रबंधन किया होता तो परिणाम अलग हो सकता था।

हार्दिक ने कहा, श्रेयस ने जिस तरह से बल्लेबाजी करते हुए जोखिम उठाया और शॉट खेले, वे वास्तव में शानदार थे। मुझे लगता है कि उन्होंने वाकई बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। हमने एक पार स्कोर बनाया था मगर गेंदबाज इकाई के तौर पर हमें और बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत थी। मुझे लगता है कि बड़े मैचों में यही अहम होता है। वहीं बल्लेबाजी के दौरान पंजाब के बल्लेबाजों ने हमपर दबाव बनाये रखा और मुझे लगता है कि हम जिस तरह से चाहते थे, वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए। मैं विकेट को इसका जिम्मेदार नहीं मानना। साथ ही कहा कि अगर हमने शायद सही लेंथ पर गेंदबाजी की होती या सही समय पर सही गेंदबाज का इस्तेमाल किया होता तो परिणाम थोड़ा अलग हो सकता था।

अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अहम मुकाबले में असफल रहे। उन्होंने चार ओवर में 40 रन दिये और कोई विकेट नहीं लिया।

बुमराह ने 18वें ओवर में 8 रन दिए, जो उनके स्पेल का आखिरी ओवर था। पंजाब को अंतिम चार ओवर में 41 रन की जरुरत थी लेकिन 17वें ओवर में ट्रेंट बोल्ट को गेंदबाजी के लिए बुलाया जिनके ओवर में 10 रन दिये।

संक्षिप्त समाचार

राजीव शुक्ला होंगे बीसीसीआई के नए अध्यक्ष , अगले माह पद संभालेंगे

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के वर्तमान अध्यक्ष रोजर बिन्नी का कार्यकाल अगले माह पूरा हो रहा है। ऐसे में बीसीसीआई के नए अध्यक्ष राजीव शुक्ला होंगे। वह अगले महीने माह अध्यक्ष पद संभालेंगे। वर्तमान अध्यक्ष बिन्नी अगले माह 19 जुलाई को 70 वर्ष के हो जाएंगे। बीसीसीआई नियमों के तहत 70 साल तक ही पद पर रहा जा सकता है और ऐसे में बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला को बीसीसीआई अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलेगी। पहले 3 महीने के लिए वह कार्यवाहक अध्यक्ष बनाये जाएंगे अभी वह 65 वर्ष के हैं। सितंबर में जब बीसीसीआई की सालाना बैठक होगी तब वह 66 साल के हो जाएंगे और ऐसे में पूर्णकालिक अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ सकेंगे। बिन्नी अक्टूबर 2022 में सौरव गांगुली की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष बने थे। वह अगले माह 19 जुलाई को वह 70 वर्ष के हो रहे हैं, इस कारण उनका कार्यकाल पूरा हो रहा है। जस्टिस लोढ़ा समिति की सिफारिशों के अनुसार बीसीसीआई का कोई भी पदाधिकारी 70 वर्ष से ज्यादा उम्र का नहीं हो सकता। इसलिए बीसीसीआई को नया अध्यक्ष चुनना होगा। राजीव शुक्ला अभी बीसीसीआई के उपाध्यक्ष हैं। वह 2020 से इस पद पर हैं। परंपरा के मुताबिक, ऐसी स्थिति में बीसीसीआई के सबसे वरिष्ठ पदाधिकारी को प्रभार दिया जाता है। ऐसे में वही ये पद संभालेंगे। इसके बाद सितंबर में नए पूर्णकालिक अध्यक्ष का चुनाव होगा।

शुभमन के लिए आसान नहीं इंग्लैंड सीरीज : सबा करीम

नई दिल्ली।

पूर्व क्रिकेटटर और चयनकर्ता रहे सबा करीम ने कहा है कि नये कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा आसान नहीं होगा। सबा के अनुसार इस दौरे में शुभमन पर सभी की नजरें रहेंगी और उनकी कप्तानी व बल्लेबाजी दोनो की ही परीक्षा होगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास लेने के बाद शुभमन को नया कप्तान बनाया गया है। सबा ने कहा कि इससे टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत है। उन्होंने कहा, 'यह उनके लिए एक परीक्षा की तहर है। मुझे भरोसा है कि वह इसके लिए तैयार होंगे। उन्हें बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर वह ऐसा करने में सफल रहते हैं तो इससे उनका मनोबल बढ़ेगा और उनकी कप्तानी पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। साथ ही कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत की युवा टीम इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे इस युवा भारतीय टीम से अच्छे परिणामों की उम्मीद है हालांकि मैच कठिन और प्रतिस्पर्धी होंगे पर मुझे लगता है कि भारतीय खिलाड़ी इसके लिए तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटसी) सत्र की भी शुरुआत होगी।

बुमराह बोले, प्रतिस्पर्धी होना चाहिये, अति आक्रामकता की जरुरत नहीं

मुम्बई।

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को करारा जवाब दिया है। क्लार्क ने कहा था कि कोई 150 किमी प्रति घंटे की गति से गेंदबाजी करने के बाद बाद भी मैदान पर सबसे अच्छा आदमी बना रहा सकता है। जिसके जवाब में बुमराह ने कहा कि मेरे अंदर प्रतिस्पर्धी भावना है। इसलिए मैं जीतने के लिए खेलता हूं पर अपनी सीमा को पार नहीं करता। साथ ही कहा कि आपको प्रतिस्पर्धी होना चाहिए पर अति आक्रामक होने की भी जरूरत नहीं है। माना जा रहा है कि बुमराह ने अपने जबाव में नाम लिए बिना ही विराट कोहली की आक्रामक शैली पर निशाना साधा है जिसने प्रशंसक हैरान है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें क्लार्क हंसते हुए नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि विराट मैदान पर आक्रामकता के लिए जाने जात हैं। उनकी तीव्र ऊर्जा, साहसिक उत्सव, और निडर टकराव उन्हें शानदार क्रिकेटर बनाने हैं। वह अपनी आक्रामकता से टीम का मनोबल बढ़ाते हैं और विरोधियों पर काफी दबाव बनाते हैं। दूसरी ओर, बुमराह ने अपनी शांत और पेशेवर शैली से मैदान पर अलग ही पहचान बनाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह तीव्रता के साथ खेलते हैं, लेकिन बिना बात के नाटक या आक्रामकता नहीं दिखाते। आईपीएल में भी बुमराह ने शानदार गेंदबाजी कर अपने को

साबित किया है। गेंदबाज क्यों हैं। गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस के बीच एलिमिनेटर मुकाबले में भी बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की है।

आईपीएल : श्रेयस तीन टीमों में फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने

मुम्बई।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने पंजाब किंग्स के आईपीएल फाइनल में पहुंचने ही एक महत्वपूर्ण रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। श्रेयस पहले ऐसे कप्तान बन गये हैं जो तीन टीमों को अपनी कप्तानी में फाइनल तक पहुंचाने में सफल रहे हैं। वहीं अब तक कोई भी ऐसा कप्तान आईपीएल में नहीं हुआ, जिसने एक से ज्यादा बार टीम को फाइनल में पहुंचाया है। श्रेयस की कप्तानी में साल 2020 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम फाइनल तक का पहुंची थी। फाइनल में हालांकि उसे मुंबई इंडियंस से हार मिली थी। इसके तीन साल बाद 2024 में श्रेयस अय्यर ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेकआर) को अपनी कप्तानी में ना सिर्फ फाइनल में पहुंचाया था। अब उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स आईपीएल के फाइनल में पहुंची है। आईपीएल में महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, गौतम गंभीर, डेविड वॉर्नर और हार्दिक पांड्या जैसे खिताब विजेता कप्तान हैं पर श्रेयस के अलावा अन्य किसी की कप्तानी में एक से ज्यादा टीम फाइनल में नहीं पहुंची है। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे हैं, जो तीन टीमों के कप्तान रहे हैं पर फाइनल में केवल एक ही टीम पहुंची। इस तरह श्रेयस ने एक अहम रिकार्ड अपने नाम दर्ज किया है। दूसरे क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस के खिलाफ श्रेयस ने आक्रामक पारी खेली। श्रेयस ने 41 गेंदों में ही 5 चौके और 8 छक्कों की मदद से 87 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 212.20 का था।

श्रेयस अय्यर पंजाब की ओर से सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने

मुम्बई।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर आईपीएल के इस 18 वें सत्र में अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी हैं। इस सत्र में अब तक अय्यर ने 39 छक्के लगाये हैं। ये पंजाब के किसी भी बल्लेबाज द्वारा किसी एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के 2014 के 36 छक्के के रिकॉर्ड को तोड़ा हैं। वहीं इस सूची में तीसरे स्थान पर क्रिस गेल और लियाम लिविंगस्टन हैं, जिन्होंने 2019 और 2022 में 34-34 छक्के लगाए थे जबकि केएल राहुल 2018 में 32 छक्कों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। अय्यर मध्यक्रम में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस सत्र में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए, अय्यर ने 603 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 175 रहा, जो मध्यक्रम के बल्लेबाज के लिए असाधारण है। उनकी यह पारी न केवल पंजाब के लिए अहम थी, बल्कि इसने उन्हें आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले बल्लेबाजों की सूची में भी शीर्ष पर रखा। मैक्सवेल और गेल जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना अय्यर की प्रतिभा और निरंतरता को दिखाता है। इस सत्र में पंजाब ने 262 रनों का रिकॉर्ड टी20 लक्ष्य भी उनकी इसी आक्रामकता से हासिल किया।

मैक्सवेल ने एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। अब वह अपना ध्यान टी20ई पर केंद्रित करेंगे, विश्व कप 2026 में होना है।

मैक्सवेल ने अंतिम बार कदिवसीय अंतराष्ट्रीय टूर्नामेंट की बात करें तो इस साल चैंपियंस ट्रॉफी खेला था। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वह आईपीएल 2025 में उतरे लेकिन चोट के कारण कुछ ही मैचों के बाद बाहर हो गये थे।

2012 में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले मैक्सवेल दो बार विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे हैं। उन्होंने अपने करियर के दौरान 149 एकदिवसीय मैचों में 4000 रन बनाए हैं। वहीं 79 विकेट लिए हैं। मैक्सवेल बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही समान रुप से प्रभावी रहे हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ 2023 विश्व में में उन्होंने कठिन हालातों में दोहरा शतक लगाया था। मैक्सवेल ने अपने संन्यास को लेकर मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली को भी पहले ही जानकारी दे दी थी। फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान मैक्सवेल ने कहा था कि वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक नहीं खेल पाएंगे ऐसे में उनके लिए आगे खेलना बेकार है। मैक्सवेल ने कहा, मैंने उसी समय उनसे कह दिया था कि मुझे नहीं लगता कि मैं 2027 एकदिवसयी विश्व कप में खेल सकूंगा।

मैक्सवेल ने कहा कि अब समय आ गया है कि वह युवाओं को अवसर दे ताकि भविष्य के लिए टीम तैयार हो सके। साथ ही

कहा कि अब मेरी जगह पर उन युवाओं के लिए योजना बनाई जाए जिन्हें 2027 विश्व कप के लिए स्थान मिलेगा। मैक्सवेल ने अपने करियर के दौरान 3990 रन, 4 शतक और 23 अर्धशतकों के साथ बनाए हैं। वहीं 201 रन उनका सबसे अधिक स्कोर है।

रूट की शतकीय पारी से इंग्लैंड ने दूसरे एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को हराया

कार्डिफ।

अनुभवी बल्लेबाज जो रुट के नाबाद शतक 166 रनों की सहायता से इंग्लैंड ने दूसरे एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.4 ओवर में 308 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड ने रूट के शानदार प्रदर्शन से 309 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की ओर से ब्रैंडन किंग ने 66 रन बनाये जबकि कीसी कार्टी ने शतक लगाया। इसके बाद कप्तान शाई होप ने 66 गेंदों पर 78 रन बनाए और स्कोर 308 तक ले गए। वहीं इंग्लैंड की ओर से आदिल राशिद ने 63 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि साकिब महमूद ने तीन तोब्रायडन कार्स ने एक विकेट लिया। 309 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रह। उसके दोनों ही सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जेमी स्मिथ खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। कप्तान हैरी ब्रूक (30) और जोस बटलर (0) भी जल्दी पवेलियन लौटे, जिससे इंग्लैंड 93/4 पर संकट में था पर रूट ने 139 गेंदों में 2 छक्के और 21 चौके लगाकर नाबाद 166 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। यह एकदिवसयी में उनका सर्वोच्च स्कोर था और इस पारी से वह इंग्लैंड के लिए एकदिवसीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये। उनसे पहले इयोन मॉर्गन ने 6,957 रन बनाये थे। रूट ने जैकब बेथेल 17 और विल जैक्स 49 के साथ मिलकर पारी को संभाला और अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने 4 विकेट लिए पर रूट के सामने वह सफल नहीं हुए। रूट ने जस्टिन ग्रीव्स की गेंद पर छक्का लगाकर अपने 7000 वनडे रन पूरे किए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोंद कतीरा से बनाएं 3 डिफरेंट और टेस्टी

ड्रिंक्स, गर्मियों में भी रहेंगे कूल-कूल

समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मियों के मौसम में गोंद कतीरा का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। तेज और चिलचिलाती धूप और लू से यह हमारा बचाव करती है। इसमें मौजूद नेचुरल कूलिंग प्रॉपर्टीज हमारे शरीर का तापमान बैलेंस में रखता है। इस मौसम में गोंद कतीरा खाने से पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और शरीर को भी एनर्जी मिलती है। वहीं गर्मियों में यह डिहाइड्रेशन से भी बचाव करता है। इसकी तासीर ठंडी होती है और गर्मियों में इसका सेवन रामबाण माना जाता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत बनाने में भी सहयता करता है।

ऐसे में समर सीजन में आप खुद को सेहतमंद रखता चाहते हैं, तो आपको गोंद कतीरे का सेवन करना चाहिए। आप गोंद कतीरा स्मूदी, ड्रिंक्स और अन्य कई डिशेज में मिक्स कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोंद कतीरा से बनने वाली तीन अलग-अलग टेस्टी ड्रिंक्स की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आपको गर्मियों के मौसम में एक बार इस ड्रिंक को जरूर ट्राई करना चाहिए।

पुदीना-नींबू शिकंजी गोंद कतीरा शिकंजी रेसिपी

इस रेसिपी को बनाने के लिए एक बर्तन में गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब एक मिक्सर जार में नींबू, पुदीना, काला नमक, जीरा और चीनी डालकर पीस लें।

फिर इस पेस्ट को एक बर्तन में निकाल लें।

एक गिलास में भीगा हुआ गोंद कतीरा डालें और फिर यह पेस्ट डालें।

इसके बाद ऊपर से ठंडा पानी और जलजीरा डालकर मिक्स करें।

बर्फ के टुकड़े ऊपर से डालकर सर्व करें।

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत रेसिपी

गोंद कतीरा तरबूज शर्बत बनाने के लिए गोंद कतीरा को भिगो दें।

अब तरबूज को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

फिर मिक्सर जार में इसको पीस लें।

अब एक गिलास में गोंद कतीरा, तरबूज पेस्ट, तरबूज के कटे टुकड़े डालकर मिक्स करें।

इसके ऊपर से ठंडा पानी, काला नमक और बर्फ डालकर मिलाएं और फिर सर्व करें।

गोंद कतीरा मैंगो शेक रेसिपी

सबसे पहले गोंद कतीरा को कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें।

फिर आम का छिलका हटाकर उसको टुकड़ों में काट लें।

अब एक जार में आम के टुकड़े, दूध और चीनी डालकर शेक बना लें।

इस शेक को एक बर्तन में निकाल लें और इसमें गोंद कतीरा मिलाएं।

इसमे कुछ आम के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स करें।

फिर गिलास में कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और ऊपर से मैंगो शेक डालें।

इस आसान तरीके से गोंद कतीरा मैंगो शेक बनकर तैयार हो जाएगा।

इस तरह बनाएंगे भरवां करेले तो हफ्तों तक नहीं होंगे खराब

करेले को अगर सही तरीके से न बनाया जाए तो इसका स्वाद बेस्वाद हो सकता है। यहां हम आपके लिए पंजाबी स्टाइल में करेला बनाने की रेसिपी लेकर आए हैं। इसे बनाकर आप करीब 10 दिन तक फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

स्वाद में कड़वा करेला सेहत के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। कोई सेहतमंद होने के लिए इसका जूस पीता है तो किसी को करेले की सब्जी बहुत अच्छी लगती है। विटामिन, मिनरल्स और पोषक तत्वों से भरपूर ये सब्जी यूं तो अमूमन हर घर में बनती है। लेकिन क्या कभी आपने पंजाबी स्टाइल में भरवां करेले बनाए हैं। ये न केवल स्वाद में बेहद टेस्टी होते हैं बल्कि इन्हें लंबे समय तक स्टोर भी किया जा सकता है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

भरवां करेला रेसिपी

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

5-6 करेला

1 बड़ा प्याज बारीक कटा

1 स्पून अमचूर पाउडर

1 स्पून भुना जीरा पाउडर

1 स्पून सौंफ पाउडर

आधा स्पून लाल मिर्च पाउडर

आधा स्पून हल्दी पाउडर

1 स्पून धनिया पाउडर

एक पिंच हींग

नमक स्वादानुसार

तलने के लिए तेल

भरवां करेला बनाने की रेसिपी

पंजाबी स्टाइल में भरवां करेला बनाने के लिए सबसे पहले करेला को हल्का चाकू से छील लें। इसके बाद करेले को धोकर बीच में कट लगा दें। अगर बीज पसंद हैं तो रहने दें। वहीं अगर बीज पके हुए हैं तो इन्हें निकाल दें। इससे करेले में भरावन के लिए जगह बन जाएगी। करेले का कड़वापन दूर करने के लिए नमक लगाकर करीब 2 घंटे के लिए छोड़ दें। करेले के मसाले की तैयारी शुरू करें। इसके लिए सबसे पहले कड़ाही में तेल गर्म करें। फिर इसमें प्याज डालकर भूनें। प्याज के गोल्डन ब्राउन होने तक उसमें हल्दी पाउडर डालें।

फिर धनिया पाउडर, हींग, जीरा पाउडर मिलाएं। इसके बाद सौंफ पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं। खट्टेपन के लिए अमचूर पाउडर डालें। गैस बंद कर दें। अब नमक लगे करेला को दबाकर सारा पानी निकाल दें। करेले में जहां कट लगाया था वहां भरावन भरते जाएं। करेला को अच्छी तरह से दबा दें। ताकि मसाला बाहर न निकले।

जब सारे करेले भर जाएं तब कड़ाही में ऑयल डालें। आप चाहें तो इसे धागे से बांध भी सकती हैं। ताकि मसाला बाहर न निकले। अब तेल डालकर इसे फ्राई कर लें। फिर गैस को स्लो करके कम कर दें और ढ़क दें। बीच-बीच में करेला को पलटते रहें और पूरी तरह फ्राई होने तक पकाएं। दवा कर चेक करें कि ये पका है या नहीं। आप फ्रिज में इसे लंबे समय स्टोर कर सकती हैं।

अदरक को लंबे समय तक कैसे करें स्टोर?

फ्रेश रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स!

अदरक को आप अपने घर पर ही आसानी से लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप कुछ घरेलू उपाय को अपना सकते हैं।

भारतीय रसोई में अदरक का उपयोग काफी लंबे समय से होता रहा है। चाय हो या फिर कोई अन्य तरह की सब्जियां, इसके बिना स्वाद फीका पड़ जाता है। कई बार अदरक को लोग काफी मात्रा में खरीद लेते हैं, जो समय के साथ खराब होने लगता है। आप अदरक को घर पर आसानी से लंबे समय के लिए भी स्टोर कर सकते हैं, जिससे यह अधिक समय तक ताजा बना रहेगा। इस लेख में हम आपके लिए अदरक को स्टोर करने के लिए एकदम सस्ता उपाय बताने वाले हैं, जिससे आप न सिर्फ अदरक को फ्रेश रख सकते हैं, बल्कि आपको बार-बार इसको मार्केट से खरीदने की भी जरूरत नहीं होगी।

अदरक का पाउडर बनाएं

आप अदरक को सुखाकर पाउडर भी बना सकते हैं। अगर आपके पास अधिक मात्रा में अदरक है, तो उसे सबसे पहले धूप में सुखा लें और इसका पाउडर बना लें। इस तरह आप ड्राई जिंजर पाउडर को आप कई महीनों तक उपयोग कर सकते हैं।

पेपर में लपेटकर फ्रिज में करें स्टोर

अदरक को स्टोर करने के लिए आप पेपर का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप अदरक को सही से धोकर सुखा लें। सूखने के बाद इसे पेपर में लपेटें। अब इसको एक एयरटाइट प्लास्टिक बैग में डालकर फ्रिज में रख दें। इस तरह अदरक करीब एक माह तक फ्रेश बनी रहेगी।

छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर करें स्टोर

अदरक को आप छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर भी स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले इसको कद्दूकस या फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसको एयरटाइट बॉक्स में रखकर फ्रीजर में स्टोर करें। इस तरह यह अदरक लंबे समय तक खराब नहीं होगी।

मिट्टी के बर्तन में करें स्टोर

अदरक को पुराने समय में मिट्टी के बर्तन में स्टोर किया जाता था, जिससे यह लंबे समय तक खराब नहीं होता था। आप भी इस तरह से अदरक को स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए आप मार्केट से मिट्टी के बर्तन को खरीद लें। आप मटकी का उपयोग कर सकते हैं। इसमें अदरक को सुखाकर रखें। इस तरीके से आप बिना फ्रिज के भी अदरक को कई महीनों तक स्टोर कर सकते हैं।

तेज धूप से हाथों का रंग हो गया है काला तो ट्राई करें ये नुस्खा, तुरंत साफ होगी स्किन

गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है।

बढ़ती धूप की वजह से हमारी त्वचा पर पसीना निकलता है, जिससे हमारी स्किन पर टैनिंग की समस्या सबसे ज्यादा होती है। क्योंकि गर्मियों में हम सभी अधिकतर कट स्लीव्स वाले कपड़े अधिक पहनते हैं। जिसकी वजह से हमारे हाथों पर अधिक टैनिंग नजर आती है और टैनिंग रिमूव करने के लिए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स का असर कुछ ही समय रहता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकते हैं, जिससे आपकी त्वचा इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का इस्तेमाल

चेहरे की चमक के लिए हम अक्सर चावल के आटे का इस्तेमाल करते हैं। आप चाहें तो हाथों की टैनिंग के लिए भी चावल के आटे का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसका स्क्रब बनाकर अप्लाई करें। जिससे आपकी स्किन इवन नजर आएगी।

चावल के आटे का स्क्रब

सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा ले लें।

फिर इसमें थोड़ा सा दही और थोड़ा सा गुलाबजल मिलाएं।

अब इसका पेस्ट बनाकर अपने हाथों पर अप्लाई करें।

इसके बाद 10 मिनट के लिए सूखने के लिए छोड़ दें।

फिर किसी गीले कपड़े से हाथों को साफ कर लें।

इससे आपके हाथों की टैनिंग कम होगी।

आप कम से कम 10-15 दिन तक इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

टमाटर का इस्तेमाल

टैनिंग रिमूव करने के लिए टमाटर को सबसे अच्छा माना जाता है और यह इस मौसम में काफी सस्ता भी मिल रहा है। असल, में टमाटर में नेचुरल ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं, जिससे स्किन आसानी से साफ होती है और आप हाथों पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे लगाएं टमाटर

एक टमाटर लेकर इसको काट लें।

अब इसमें थोड़ी सी चीनी लगाएं।

वहीं अब अपने हाथों को रब करना है।

इससे आपकी स्किन इवन नजर आने लगेगी।

इन तरीकों से आप टैनिंग वाले हाथों को साफ कर सकती हैं। इससे आपके हाथ साफ-सुथरे लगेंगे और हाथों पर कालापन भी नहीं नजर आएगा। इस तरह से टैनिंग रिमूव कर सकते हैं। हालांकि इसको अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें। इससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि स्किन पर किस चीज को लगाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मस्क के करीबी जेरेड इसाकमैन का नामांकन वापस लेंगे ट्रंप, नासा प्रमुख बनाने का किया था एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जेरेड इसाकमैन का नामांकन वापस लेने जा रहे हैं। जेरेड इसाकमैन अरबपति कारोबारी हैं और एलन मस्क के करीबी माने जाते हैं। ट्रंप ने जेरेड इसाकमैन को नासा का प्रमुख बनाने का फैसला किया था। सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। हालांकि अभी तक व्हाइट हाउस और नासा की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते साल दिसंबर में ही जेरेड इसाकमैन को नासा का नया प्रमुख बनाने का एलान किया था। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल साइट पर साझा पोस्ट में लिखा, गहन समीक्षा के बाद, मैं नासा के प्रमुख के लिए जेरेड इसाकमैन के नामांकन को वापस ले रहा हूं। मैं जल्द ही एक नए उम्मीदवार की घोषणा करूंगा जो मिशन से जुड़ा होगा, और अंतरिक्ष में अमेरिका को प्राथमिकता देगा। गौरतलब है कि ट्रंप द्वारा मस्क के करीबी का नाम नासा प्रमुख के पद से वापस लेने का फैसला ऐसे समय किया गया है, जब हाल ही में मस्क ने भी ट्रंप सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख का पद छोड़ दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के रिश्तों में दरार आ गई है। कई मुद्दों पर दोनों के बीच मतभेद हैं। ऐसे में इसाक का नामांकन वापस लेने के ट्रंप के फैसले के पीछे भी यही वजह हो सकती है। इसाक शिफ्ट4 नामक कंपनी के फाउंडर और सीईओ हैं। साल 2021 में मस्क की स्पेसएक्स की पहली चार्टर्ड फ्लाइट में इसाक ने अंतरिक्ष की यात्रा की थी, तब से ही दोनों के बीच अच्छी दोस्ती है। इसाकमैन करीब 1.9 अरब डॉलर की संपत्ति के मालिक हैं। इसाक की बीती 9 अप्रैल को सीनेट के सामने गवाही भी हुई थी और जल्द ही वे पुष्टि के लिए सीनेट के समक्ष पेश होने वाले थे। हालांकि अब उनका नामांकन वापस लेने की खबरें आ रही हैं।

गाजा में यूएन के खाद्य ट्रकों पर टूटे फलस्तीनी, लूटी सामग्री ; सहायता केंद्र पर भगदड़ में 21 लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा पट्टी में फलस्तीनियों ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दर्जनों खाद्य ट्रकों को जबरन रोका और खाने का सामान लूट लिया। यूएन विश्व खाद्य कार्यक्रम (यूएन डब्ल्यूएफपी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं रेड क्रॉस अस्पताल ने बताया कि इस्राइल समर्थित फाउंडेशन के केंद्र पर सहायता प्राप्त करने के दौरान भगदड़ में 21 लोगों की मौत हो गई। जबकि 175 अन्य लोग घायल हुए। इस्राइल और अमेरिका समर्थित संगठन ने सहायता वितरण केंद्र स्थापित किया है। लोगों ने बुधवार को केंद्र पर हमला कर दिया था। इस्राइल-हमास के बीच संघर्ष विराम की बातचीत आगे बढ़ रही है, लेकिन भूखे गाजावासियों को भूख मिटाने के सिवाय कुछ नहीं सूझ रहा। हथियारबंद लोगों ने रातों-रात गाजा पट्टी में प्रवेश कर रहे दर्जनों सहायता ट्रकों को अगवा कर लिया। इसमें उनके साथ सैकड़ों हताश फलीस्तीनी भी शामिल हो गए। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि गाजा की मदद के लिए 77 ट्रक ले जाए जा रहे थे। इनमें अधिकतर में आटा भरा था। गाजा में लगभग तीन महीने की इस्राइली नाकाबंदी ने आबादी को अकाल के कगार पर पहुंचा दिया है।

पाकिस्तान में संघीय सरकार से अफगान नीति समीक्षा की मांग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर संघीय सरकार से अपनी अफगान नीति की समीक्षा करने का आह्वान किया है। इस प्रस्ताव में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की कैबिनेट ने क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए प्रांतीय अधिकारियों को पड़ोसी देश के साथ सीधी बातचीत करने की अनुमति देने की भी मांग की है।

भारत ने नेपाल के अछाम में नवनिर्मित स्कूल भवन सौंपा

संफेबागर नगर, एजेंसी। नेपाल में भारतीय दूतावास ने अछाम जिले के लिए संफेबागर नगर पालिका का स्कूल भवन श्री महेंद्र माध्यमिक विद्यालय को सौंप दिया है। दूतावास के अनुसार, शनिवार को ललित बहादुर कुंवर, प्रमुख, जिला समन्वय समिति, अछाम, राजेंद्र बहादुर कुंवर, महापौर, संफेबागर नगर पालिका और सुमन शेखर, प्रथम सचिव, भारतीय दूतावास, काठमांडो द्वारा संयुक्त रूप से विद्यालय भवन को औपचारिक रूप से विद्यालय, अछाम के प्रबंधन को सौंप दिया गया।

द. सूडान पर हथियार संबंधी प्रतिबंध की अवधि बढ़ाई गई

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। सुरक्षा परिषद ने दक्षिण सूडान पर हथियार संबंधी प्रतिबंध की अवधि बढ़ाने के पक्ष में मतदान किया है। दक्षिण सूडान में बढ़ते राजनीतिक तनाव के कारण यूएन ने चेताया है कि देश फिर से गृहयुद्ध में फंस सकता है। हथियारों पर प्रतिबंध समेत अन्य प्रतिबंधों की अवधि बढ़ाने के लिए अमेरिका द्वारा प्रायोजित प्रस्ताव के समर्थन में नौ देशों ने मतदान किया जो प्रस्ताव पारित कराने के लिए कम संख्या है। रूस, चीन समेत 6 देश मतदान से बाहर रहे।

मलयेशिया के अस्पताल से डिस्चार्ज हुए ब्रूनेई के सुल्तान

कुआलालुम्पुर, एजेंसी। थकान की शिकायत के बाद मलयेशिया के अस्पताल में भर्ती ब्रूनेई के सुल्तान हस्सानल बोलकिया अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं। ब्रूनेई सुल्तान दुनिया के सबसे अमीर इंसानों में से एक हैं। वह बीते पांच दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। ब्रूनेई की सरकार ने शनिवार को बताया कि 78 वर्षीय सुल्तान अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद राजधानी कुआलालंपुर के एक होटल में ठहरे हैं।

इजरायल को मिली बड़ी कामयाबी, हमास के टॉप लीडर मुहम्मद सिनुआर को एयर स्ट्राइक में मार गिराया

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल ने इस बात की पुष्टि की है कि 13 मई को दक्षिण गाजा स्थित खान यूनिस के यूरोपीय अस्पताल के नीचे एक सुरंग में किए गए हवाई हमले में हमास का टॉप सैन्य नेता मुहम्मद सिनवार भी मारा गया। द टाइम्स ऑफ इजरायल ने यह जानकारी इजरायली रक्षा बल और शिन बेट (गुप्तचर एजेंसी) के हवाले से दी है। बयान के अनुसार, हमले में रफा ब्रिगेड का कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन का कमांडर महदी क़ुआरा भी मारा गया। आइडीएफ और शिन बेट ने कहा, ये आतंकवादी यूरोपीय अस्पताल के नीचे बने एक भूमिगत कमांड सेंटर में सक्रिय थे, जिससे उन्होंने आसपास की नागरिक आबादी को जानबूझकर खतरे में डाला। इससे तीन दिन पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी सिनवार की मौत की जानकारी दी थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, हमास और अरब अधिकारियों ने बताया था कि सिनवार और अन्य कमांडरों की यह बैठक संभावित संघर्षविराम और बंधक सौदे पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। इस बैठक की जानकारी मिलते ही इजरायली वायुसेना ने हमले की तैयारी शुरू कर दी। हालांकि शुरुआत में यह आशंका थी कि बंधक पास में हो सकते हैं, इसलिए हमले को टालने पर विचार किया गया। बाद में जब खुफिया सूत्रों से यह पुष्टि हुई कि वहां कोई बंधक मौजूद नहीं हैं, तब हमले की अनुमति दे दी गई। इसके बाद लड़ाकू विमानों से टारगेट को

सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया।

कौन था मुहम्मद सिनवार : मुहम्मद सिनवार हमास के शीर्ष सैन्य नेताओं में से एक था और याह्या सिनवार का छोटा भाई था, जो कि पहले गाजा में हमास का नेता रह चुका है। वह इजरायल की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था और कई महीनों से उसकी तलाश जारी थी। अधिकारियों का कहना है कि बंधकों की रिहाई और संघर्षविराम पर बातचीत में सिनवार ने लगातार विरोध किया और प्रक्रिया में बाधा डाली थी। जुलाई 2024 में मुहम्मद दीफ की मौत के बाद सिनवार को हमास का सैन्य संचालन का नेतृत्व सौंपा गया था। उसी महीने तेहरान में इस्माइल हनिया की मौत के बाद याह्या सिनवार को हमास का सर्वोच्च नेता बनाया गया था। अक्टूबर 2024 में याह्या सिनवार की मौत के बाद, मुहम्मद सिनवार ने गाजा में हमास का नेतृत्व संभाला।

नागरिकों को बनाया था ढाल दरअसल, 14 मई को इजरायल ने कई बड़े हवाई हमले किए। इसी दौरान हमास प्रमुख के गंभीर रूप से घायल होने की खबरें सामने आई थीं। हालांकि इजरायली पीएम ने सिनवार के मारे जाने की बात कही थी। वहीं आईडीएफ और शिन बेट ने कहा है कि आतंकवादी यूरोपीय अस्पताल के नीचे बने भूमिगत कमांड सेंटर में सक्रिय थे। उन्होंने जान बूझकर आम नागरिकों को ढाल बनाया था और उसकी जान के खतरा पैदा किया था। इस हमले में रफा ब्रिगेड का कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन का महदी कुआरा भी मारा गया है।

युद्धविराम समझौते में संशोधन की मांग : बता दें कि अब हमास ने गाजा के लिए अमेरिका के नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसमें संशोधन की मांग की है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अपनी पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया, कुछ बिंदुओं पर कुछ नोट्स और संशोधन हैं, विशेष रूप से अमेरिकी गारंटी, बंधकों की रिहाई का समय, सहायता की आपूर्ति और इजराइली सेना की वापसी पर। हमास के एक अलग बयान में कहा गया है कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थायी युद्ध विराम, गाजा से इजराइल की व्यापक वापसी और सहायता का सुनिश्चित प्रवाह है। बता दें कि इजरायली अधिकारियों ने लगभग 20 महीने से चल रहे युद्ध में अस्थायी युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वार्ताकार समझौते के करीब पहुंच चुके हैं।

शरीफ बोले- चीन-सऊदी नहीं चाहते हम वहां भीख मांगने जाएं

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के दोस्त मुल्क नहीं चाहते हैं कि हम उनसे भीख मांगने जाए। यह बात उन्होंने क्वेटा में कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में सैनिकों संबोधित करते हुए कही। शरीफ ने कहा- चीन, सऊदी अरब, तुर्किये, कतर, ओमान सब पाकिस्तान के भरोसेमंद दोस्त हैं। वे हमसे उम्मीद करते हैं कि हम उनके साथ ट्रेड, कॉमर्स, इनोवेशन, डेवलपमेंट, शिक्षा, स्वास्थ्य, और इन्वेस्टमेंट में शामिल हों। उन्होंने जोर देकर कहा- वे अब और नहीं चाहते कि हम उनके यहां भीख का कटोरा लेकर जाएं। शरीफ ने आगे कहा- आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ मैं आखिरी इंसान हूं जो इस बोझ को अपने कंधों पर उठाना चाहता है। आखिर में बोझ इस देश के कंधों पर आता है। शरीफ ने कहा कि हमें नेचुरल रिसोर्सेज का पूरा इस्तेमाल करना चाहिए और उन्हें सही कामों में लगाना चाहिए।

बलूचिस्तान कि दिक्कतों का बातचीत से हल करने की जरूरत : क्वेटा में ही एक अन्य कार्यक्रम में शरीफ ने कहा कि बलूचिस्तान में आतंकवादियों ने जिन लोगों को भटकाया है उन्हें सही रास्ते पर लाना जरूरी है। आतंकवादियों को न तो जनता, न सरकार और न ही सेना बर्दाश्त करेगी। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान की दिक्कतों को बातचीत के जरिए हल करने की जरूरत है। अगर कोई चिंता है, तो भाइयों को एक साथ बैठकर उसे हल करना चाहिए। पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भी शुक्रवार को क्वेटा कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में भाषण दिया था। इस दौरान उन्होंने कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कश्मीर में भारत की तरफ से बनाए जा रहे हाइड्रो-पावर प्रोजेक्ट पर आपत्ति जताई थी। मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान को कभी भी दबाया नहीं जा सकता। सेना प्रमुख ने भारत के साथ संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि अपने देश की रक्षा के लिए पाकिस्तानी लोग लोहे की दीवार बन गए। शहबाज शरीफ हाल ही में 25 से 29 मई तक तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान के दौरे से लौटे हैं।

मैक्रों और उनकी पत्नी के बीच हुई झड़प पर रूसी प्रेस सचिव बोले- पत्नी थप्पड़ मारती है, तो इसके पीछे कारण होता है

मास्को, एजेंसी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के बीच हुई झड़प पर रूसी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने कहा कि पारिवारिक झगड़े को सार्वजनिक नहीं करना चाहिए।

पेसकोव बोले- अगर पत्नी अपने पति को थप्पड़ मारती है, तो इसके पीछे आमतौर पर कोई कारण होता है। लेकिन हमें इसमें दखल नहीं देना चाहिए। दरअसल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी के बीच हुई झड़प का वीडियो वायरल हुआ था। मैक्रों 25 मई को वियतनाम दौरे पर पहुंचे थे। इसी दौरान हनोई के नोई बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनकी पत्नी ने उनका मुंह पकड़कर धकेल दिया था। एसोसिएटेड प्रेस ने इस वीडियो को रिकॉर्ड किया है। इससे पहले ट्रम्प से फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों को दरवाजा बंद है या नहीं ये चेक कर लेने की सलाह दी थी।

हाफिज सईद के आतंकी संगठन का दावा- 1971 का बदला ले लिया, हसीना को हटाने में भी हमारा हाथ

इस्लामाबाद, एजेंसी। मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद के सरगनाओं ने दावा किया है कि उनके संगठन ने पिछले साल बांग्लादेश में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों में भूमिका निभाई थी, जिसके चलते प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद छोड़ना पड़ा था। जेयूडी सरगना सैफुल्लाह कसूरी और संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित मुजम्मिल हाशमी ने ये दावे इस सप्ताह के शुरू में अपने भड़काऊ तकरीरों के दौरान किए।

कसूरी ने लाहौर से करीब 400 किलोमीटर दूर रहीम यार खान के इलाहाबाद में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए दावा किया, ''जब 1971 में पाकिस्तान का विभाजन हुआ था, तब मैं चार साल का था। तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने घोषणा की थी कि उन्होंने खलीज (बंगाल की खाड़ी) में दो-राष्ट्र सिद्धांत को डुबो दिया है। 10 मई को, मैंने... हमने 1971 का बदला ले लिया है।''

भारत ने हमारे साथी मुदस्सर के परखच्चे उड़ा दिए- आतंकी का कबूलनामा जेयूडी सरगना 1971 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में हुए मुक्ति संग्राम का जिक्र कर रहा था। तब पाकिस्तान ने हार स्वीकार कर की थी और स्वतंत्रता सेनानियों और भारतीय सैनिकों से बनी मित्र सेनाओं के

समक्ष ढाका में बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दिया था। उसने यह भी कबूल किया कि उसके एक साथी मुदस्सर के शव के परखच्चे सात मई को मुरीदके (जेयूडी/एलईटी मुख्यालय) पर किए गए भारतीय हवाई हमले में उड़ गए थे। भारत ने यह हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किया गया था। पहलगाम में 26 लोग मारे गए थे।

कसूरी ने कहा, ''मुझे उसके जनाजे में शिरकत करने की मंजूरी नहीं दी गई। उसके जनाजे के दिन मैं खूब रोया।'' उसने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि मुदस्सर के जनाजे में शामिल होने से किसने रोका। दूसरी ओर, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शीर्ष सैन्य, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने मुदस्सर और दो अन्य जेयूडी सदस्यों के जनाजे में हिस्सा लिया और इसकी तस्वीर सामने आई है। अगली पीढ़ी को जिहाद के लिए तैयार कर रहे- पाकिस्तानी आतंकी कसूरी ने कहा,''जब पहलगाम की घटना हुई, तब मैं अपने क्षेत्र में लोगों से मिल रहा था।

फिर से पूर्वी पाकिस्तान बनने की राह पर बांग्लादेश?

ढाका, एजेंसी। 1971 में पाकिस्तान से आजाद हुआ बांग्लादेश आज एक बार फिर उसी दिशा में जाता दिख रहा है, जहां से उसने कभी अलगाव चुना था। 2024 के अगस्त में भड़की छात्र आंदोलनों से शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल ने प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया और इसके बाद सैन्य हस्तक्षेप ने बांग्लादेश की सत्ता व्यवस्था को हिला कर रख दिया। संकट की निर्णायक घड़ी तब आई जब सेनाध्यक्ष जनरल वाकर-उज-जमान ने सेना को शेख हसीना के कर्फ्यू आदेश न मानने के निर्देश दिए। इसके बाद सेना के समर्थन से नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में एक अंतरिम सरकार की स्थापना हुई। टाइम्स नाउ ने अपनी एक रिपोर्ट में राजनीतिक विश्लेषकों से हवाले से कहा है कि यह घटनाक्रम 1999 में पाकिस्तान में हुए तख्तापलट से मेल खाते हैं। उस समय जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ की चुनी हुई सरकार को हटा दिया था। दोनों देशों में राजनीतिक अस्थिरता के समय सेना ने सत्ता अपने हाथ में ली थी। लोकतांत्रिक सरकारों को हटाकर सेना समर्थित अस्थायी सरकारों का गठन हुआ। यूनुस सरकार के खिलाफ देशभर में सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। सेना की राजनीति में बढ़ती भूमिका को लेकर लोग चिंतित हैं कि लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हो रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं, जो धार्मिक असहिष्णुता और कट्टरता की ओर इशारा करते हैं। यह स्थिति 1971 के पहले के पाकिस्तान जैसी लग रही है, जिससे बांग्लादेश ने खुद को आजाद किया था। 53 साल में पहली सीधी समुद्री लिंक

2024 में पहली बार पाकिस्तान के कराची से एक कार्गो जहाज बांग्लादेश के चट्टोग्राम बंदरगाह पहुंचा। यह कदम दोनों देशों के बीच नए व्यापारिक रिश्तों की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों और स्थानीय पर्यवेक्षकों ने चेताया है कि यदि बांग्लादेश ने जल्द चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक शासन की वापसी का खाका नहीं पेश किया तो देश दीर्घकालिक सैन्य नियंत्रण में फंस सकता है। कुल मिलाकर बांग्लादेश के लिए यह एक नाजुक दौर है। जिस देश ने पाकिस्तान के सैन्य जुल्म से मुक्ति पाई थी, वही आज उसी रास्ते पर लौटता दिख रहा है। क्या बांग्लादेश लोकतंत्र को पुनः स्थापित कर पाएगा या इतिहास खुद को दोहराएगा — यह आने वाला समय बताएगा।

रूस में भीषण हादसा, पुल के गिरने से यात्री ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरे, 7 की मौत और 30 गंभीर रूप से घायल

मास्को, एजेंसी। रूस में भीषण ट्रेन हादसा हुआ है। पश्चिमी रूस के ब्रायंस्क क्षेत्र में शनिवार देर रात एक पुल ढहने के बाद एक यात्री ट्रेन पटरी से उतर गई। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। करीब 30 लोग घायल हुए हैं। रूसी अधिकारियों ने इस ट्रेन हादसे के लिए अवैध हस्तक्षेप को जिम्मेदार ठहराया है। पश्चिमी रूस में यह ट्रेन हादसा ब्रायंस्क क्षेत्र में हुआ है, जो यूक्रेन की सीमा से सटा हुआ है। साल 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमलों के बाद से इस एरिया में तनाव बढ़ा हुआ है। मॉस्को रेलवे के अनुसार, पुल परिवहन कार्यों में अवैध हस्तक्षेप के चलते ये गिर गया। पुल के गिरने से ट्रेन भी चपेट में आ गई। रोसावटोडोर ने पुष्टि की है कि पुल उस रेलवे लाइन के ऊपर से गुजरा था, जिस पर ट्रेन चल रही थी। अचानक पुल के ढहने से कंक्रीट के बड़े-बड़े टुकड़े पटरियों पर गिर पड़े, जो सीधे आने वाली ट्रेन के रास्ते में आ गए। ट्रेन पटरी से पलट गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आ रही तस्वीरों और वीडियो में मलबे से भरे दृश्य में ट्रेन के डिब्बे टूटे हुए और बिखरे हुए दिखाई दे रहे हैं। कुछ सोशल मीडिया वीडियो में पुल ढहने के दौरान का भयावह क्षण को कैद किया गया है, इसमें पुल के ढहने से गाड़ियां बाल-बाल बचीं हैं। ब्रायंस्क के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज़ ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। बोगोमाज़ ने कहा कि पीड़ितों को सभी जरूरी सहायता प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास

किया जा रहा है। साथ ही कहा कि आपातकालीन सेवाएं और स्थानीय अधिकारी घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रायांस्क के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज के साथ एक वीडियो मीटिंग में घटना की जानकारी ली। गवर्नर ने टेलीग्राम पर लिखा, पुल गिरने से 7 लोगों की मौत हुई है। 30 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 2 बच्चे शामिल हैं। सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी तस्वीरों में ट्रेन के डिब्बे बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दिए, जिनके चारों ओर पुल के मलबे फैले थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में ट्रेन पटरी से उतरकर सड़क पर गिरी हुई नजर आ रही है। मौके पर आपातकालीन बचाव टीमें और आम लोग सहायता करते दिखे।

पेरिस में पीएसजी चैंपियंस लीग की जीत के जश्न में व्यापक हिंसा, सड़कों भीषण आगजनी और उत्पात; 81 लोग गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस में पीएसजी की चैंपियंस लीग जीत का जश्न मना रहे प्रशंसकों के बीच अचानक हिंसा फैल गई। इससे खेल के मैदान से लेकर सड़कों तक बड़ी हिंसा, आगजनी और मारपीट देखने को मिली। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार इस घटना में अबतक कम से कम 81 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पेरिस में चैंप्स-एलिसीज़ में खेल देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई थी। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को आंसू गैस और मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ा।

शहर में कई जगह हिंसक झड़पों का दौर जारी है। यह हिंसा उस वक्त शुरू हुई, जब बड़ी संख्या में प्रशंसक पीएसजी की इंटर मिलान पर चैंपियंस लीग फाइनल में जीत देखने के लिए जमा हुए थे। क्लब का पार्स दे प्रिंसेस स्टेडियम उस रात एक फैन ज़ोन में बदल गया था, जहां म्यूनिख में खेले गए इस मैच को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 48,000 लोग शामिल हुए थे। सोशल मीडिया पर सामने आई वीडियो में पुलिस को डंडों से लैस होकर लोगों से भिड़ते हुए देखा गया है, जहां हजारों प्रशंसक एकत्रित हुए थे।

स्टेडियम के पास भी आगजनी : रिपोर्ट के अनुसार फ्रांसीसी राजधानी में स्टेडियम के पास कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं हुईं। दमकल विभाग को कई स्थानों पर आग पर काबू पाने के लिए भेजा गया।

फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रेटायो ने सोशल मीडिया पर लिखा संदेश : फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रेटायो ने सोशल मीडिया पर लिखे एक संदेश में कहा,सच्चे पीएसजी प्रशंसक अपनी टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं। वहीं कुछ बर्बर लोग पेरिस की सड़कों पर अपराध करने और कानून व्यवस्था

को चुनौती देने निकले हैं। मैंने आंतरिक सुरक्षा बलों से इन अत्याचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। मैं पुलिस प्रमुख और सभी पुलिसकर्मियों को अपना समर्थन देता हूं जो आज रात सभी की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। यह असहनीय है कि जश्न मनाने में भी कुछ गुंडों की बर्बरता का डर होता है, जो किसी भी चीज़ का सम्मान नहीं करते।

5400 पुलिसकर्मियों की थी तैनाती : बता दें कि मैच के बाद के उत्सवों को देखते हुए पूरे शहर में लगभग 5,400 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। शांज़ एलिज़े क्षेत्र में अधिकारियों ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए आंसू गैस और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। एक पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, पार्स दे प्रिंसेस के पास एक कार को आग लगा दी गई थी और मैच समाप्त होने तक दर्जनों गिरफ्तारियां हो चुकी थीं। आर्क दे ट्रायम्फ के आसपास का यातायात दोपहर से ही बंद कर दिया गया था और शनिवार शाम को शांज़ एलिज़े और आस-पास की सड़कों को भी बंद कर दिया गया। बिल्ड ने बताया कि इससे पहले म्यूनिख में पीएसजी और इंटर मिलान के समर्थकों ने फाइनल के लिए एलियांस एरेना की यात्रा करते समय फ्रॉटमैनिंग स्टेशन पर एक-दूसरे पर पत्थर फेंके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ प्रशंसकों ने रेल की पटरियों पर चढ़कर यातायात में भी बाधा डाली।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश में बढ़ रहे कोरोना के मामले, इन तरीकों से रखे अपने को सुरक्षित

नई दिल्ली।

भारत में बीते कुछ दिनों से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। यहां कोविड के सक्रिय केस की संख्या 1200 के पार हो गई है। कोविड की पहली लहर के दौरान भी सबसे ज े यादा केरल राज े य ही प्रभावित हुआ था। इस बार भी केरल में कोरोना का प्रकोप दिख रहा है। दि ल्ली और महाराष् ट्र, कर्नाटक, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज े यों में इनके सक्रिलय मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके बाद सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

लोगों में डर का माहौल है। हालांकि अभी यात्रा पर कोई रोक नहीं है। ट्रेन से लेकर, बसों या फ्लाइट से लोग ट्रैवल कर ही रहे हैं। इसके बाद आपको जरूरी सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। वहीं अगर आप अपनी पर्सनल कार या फिर कैब से ट्रैवल करते हैं, तब आपको मास्क पहनना जरूरी है।

मास्क पहनें- भले ही अभी सरकार के द्वारा ट्रैवल को लेकर कोई गाइडलाइन नहीं जारी की गई है, फि र भी आप रेलवे स े टेशन, बस स े टेशन या फिर एयरपोर्ट या किसी भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास े क जरूर पहनें। इससे आपको कई हद ते क सुरक्षा मिलेगी।

हैंड सैनिटाइजर रखें साथ- अगर आप ट्रैवल कर रहे हैं,तब आपको हर आधे घंटे में हाथों को सैनिटाइज करने की जरूरत है। खासकर कुछ खाने से पहले जरूर सैनि टाइज करें। इससे वायरस को रोकने में मदद मिलेगी।

बंद जगहों पर जाने से बचें- कोविड से बचने का सबसे अच े छा तरीका है कि आप खुली जगहों पर रहें। अगर आप किसी भी बंद जगहों पर या पार्टी में जाते हैं, तब भी कोविड की चपेट में आने का खतरा ज े यादा होता है। कु ल मिलाकर आपको खराब वेंटिलेशन वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए। अगर आपको बुखार, थकान, गले में खराश और कंजेशन जैसी समस े या हो रही है, तब आपको तुंरत

डॉक्टर से संपर्क करें। इसके अलावा मास े क का इस्तेमाल करें।

पूर्वोत्तर भारत में बारिश और बाढ़ ने ली कई जानें, लाखों लोग प्रभावित

वायुसेना और असम राइफल्स के जवान राहत और बचाव कार्य में जुटे

नई दिल्ली।

पूर्वोत्तर भारत में बारिश ने तबाही मचाई है। बीते कई दिनों से बारिश और उसके बाद की घटनाओं से जीवन अस्त-व्यस्त है। बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों की जान जाने की खबर भी सामने आई है। बता दें असम, मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में बीते तीन दिनों में भारी बारिश हुई और नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इस बीच वायुसेना और असम राइफल्स के जवान राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। मौसम विभाग ने कहा कि फिलहाल इस बारिश से 5 जून तक राहत नहीं मिलेगी। पूर्वोत्तर क्षेत्र में आने वाले कुछ घंटों में तेज बारिश हो सकती है। 4 जून तक असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भी तेज बारिश की संभावना है। वहीं अरुणाचल, असम और मेघालय में भी भारी बारिश की उम्मीद है। अरुणाचल प्रदेश, असम और सिक्किम में स्थिति गंभीर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारी बारिश के बीच उत्तरी सिक्किम में 1200 से ज्यादा पर्यटक फंसे हैं। भूस्खलन की वजह से बचाव कार्य में बाधा आ रही है। वहीं 29 मई को मुंशीथांग में तीस्ता नदी के पास लापता हुए 8 पर्यटकों का अभी तक पता नहीं चल सका है। असम के 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें लखीमपुर, डिब्रूगढ़, हैलाकांडी, होजई, कामरूप, धेमाजी और कछार जैसे जिलों में करीब 3.6 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। असम में बाढ़ और भूस्खलन से होने वाली मौतों का आंकड़ा रविवार तक 10 तक पहुंच गया। वहीं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा स्थापित 155 राहत शिविरों में 55 हजार से ज्यादा लोगों ने शरण ली है। अरुणाचल प्रदेश बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 9 लोगों की मौत की खबर है। राज्य भर में करीब सभी नदियां उफान पर हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और ज्यादा बारिश का अनुमान जताया है जिसके बाद सीएम पेमा खांडू ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है कि बहुत जरूरी हो तब ही घर से बाहर निकलें। मेघालय में 10 जिले अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं। त्रिपुरा में भी 10 हजार से ज्यादा लोग इसकी चपेट में हैं। इस बीच असम राइफल्स ने वायुसेना के साथ मिलकर 1500 से ज्यादा लोगों को बचाया है और उन्हें राहत सामग्री मुहैया कराई। वहीं रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से बात की।

फंगस एसपर्गिलस जलवायु परिवर्तन के कारण फैल सकता तेजी से

नई दिल्ली।

ताजा शोध में दावा किया गया है कि एक खतरनाक फंगस एसपर्गिलस जलवायु परिवर्तन के कारण पहले से अधिक तेजी से फैल सकता है। बदलती जलवायु न केवल पर्यावरण के लिए खतरा बन रही है, बल्कि यह इंसान की सेहत पर भी गंभीर असर डाल रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह फंगस इंसान के शरीर को अंदर से खा सकता है और फेफड़ों समेत कई अंगों में गंभीर संक्रमण फैला सकता है। स्टडी के अनुसार, ग्लोबल वॉर्मिंग और बढ़ते तापमान के कारण यह फंगस अब केवल ट्रॉपिकल इलाकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उत्तरी अमेरिका, यूरोप, चीन और रूस जैसे ठंडे इलाकों में भी अपनी पकड़ बना सकता है। अनुमान है कि यदि फॉसिल फ्यूल्स का दहन यूं ही जारी रहा, तो एसपर्गिलस से जुड़ी बीमारियों के मामले 16 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सावधानी नहीं बरती गई, तो यह फंगस आने वाले वर्षों में लाखों लोगों की जान का खतरा बन सकता है। स्वास्थ्य प्रणाली को इसके प्रति सतर्क रहने और फंगल इन्फेक्शन की रोकथाम के उपायों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। छोटे माइक्रो ऑर्गेनिज्म हमारी सेहत को कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं, यह आपने कोविड-19 महामारी के दौरान देख ही लिया। हाल ही में आई एक स्टडी इन छोटे जीवाणुओं के खतरे के बारे में आगाह कर रही है, लेकिन इस बार बात बैक्टीरिया या वायरस की नहीं, बल्कि फंगस की हो रही है। जी हां, एसपर्गिलस नाम का एक फंगस जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बढ़ सकता है, जो आने वाले समय में लाखों लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हो सकता है।

बीसीआई के अध्यक्ष ने की शर्मिष्ठा की रिहाई और निष्पक्ष सुनवाई की मांग

नई दिल्ली।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने इंस्टाग्राम 'इन्फ्लुएंसर' शर्मिष्ठा पनोली की रिहाई और निष्पक्ष सुनवाई की मांग की।

कोलकाता पुलिस ने शर्मिष्ठा को एक पोस्ट करने के लिए गिरफ्तार किया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि हिंदी फिल्म अभिनेता 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चुप हैं। वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सदस्य मिश्रा ने कहा कि सोशल मीडिया वीडियो वायारल के लिए माफी मांगने के बावजूद उन्हें गिरफ्तार किया गया। कोलकाता की रहने वाली और पुणे की लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा 22 साल की 'इन्फ्लुएंसर' को शुक्रवार रात गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था। शर्मिष्ठा पनोली को शनिवार को कोलकाता की एक अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मिश्रा ने कहा कि यह बहुत ही चिंताजनक है कि वह सरकार, जिसने बेकसूर लोगों की निर्मम हत्या का बदला लेने के लिए चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया था, अब दोहरे मानदंडों पर सवाल उठाने वाली छात्रा को चुप कराना चाहती है।

बीजेपी ने रविवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी को लेकर टीएमसी सरकार पर अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए 'युवा हिंदू महिला' को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल में बीजेपी के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने टीएमसी सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति के तहत कानून को चुनिंदा तरीके से लागू करने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी के दौरे से पहले हरियाणा कांग्रेस में हलचल, शमशेर सिंह गोगी का तीखा बयान

चंडीगढ़।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 4 जून को चंडीगढ़ दौरे से पहले हरियाणा कांग्रेस में अंदरूनी हलचल तेज हो गई है। पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी ने संगठनात्मक मुद्दों को लेकर बड़ा बयान देते हुए पार्टी के भीतर की खींचतान पर खुलकर नाराजगी जताई है। गोगी ने कहा कि राहुल गांधी की अगुवाई में हरियाणा कांग्रेस के संगठन को मज़बूत किया जा रहा है, लेकिन अगर ज़िम्मेदार पदों पर गलत लोगों को बैठाया गया तो संगठन को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, अगर दूध की रखवाली के लिए बिल्ली को बिठा दोगे तो दूध थोड़ी बचेगा? उनके इस बयान को कांग्रेस के कुछ नेताओं पर परोक्ष हमला माना जा रहा है। गोगी ने ज़ोर देकर कहा कि जिलाध्यक्ष जैसे पदों पर उन्हीं लोगों को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए जो सच्चे कांग्रेसी हों, न कि वे जो अपने निजी स्वार्थ या रिश्तेदारी को प्राथमिकता दें। उनका यह बयान आगामी संगठनात्मक बैठकों से पहले पार्टी के लिए एक स्पष्ट संकेत माना जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा के उस बयान का भी समर्थन किया जिसमें उन्होंने विधानसभा चुनाव में अपने साथ हुई अन्यायपूर्ण स्थिति की बात कही थी। गोगी ने कहा, अगर सैलजा को साथ लिया गया होता तो आज हरियाणा में बीजेपी की सरकार नहीं होती। कांग्रेस, कांग्रेस से ही हारी है। गोगी ने राहुल गांधी के उस बयान को भी याद किया जिसमें उन्होंने पार्टी में स्लीपर सेल की बात कही थी। उन्होंने कहा कि वे राहुल गांधी के विचारों का पूरी तरह समर्थन करते हैं और आशा है कि इस बार संगठन मज़बूती से खड़ा किया जाएगा।

राहुल गांधी के दौरे से पहले ही हरियाणा कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक फेरबदल को लेकर चर्चाएं और बयानबाज़ी तेज हो चुकी है। अब 4 जून की बैठक पर सबकी निगाहें टिकी हैं कि क्या कोई बड़ा फैसला होता है या फिर यह आंतरिक खींचतान आगे भी यूं ही जारी रहेगी।

वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए नई वेबसाइट शुरू करेगी सरकार

वक्फ के संचालन के नियमों को लेकर राज्यों के साथ विचार-विमर्श होगा

नई दिल्ली।

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस बीच केंद्र सरकार इस कानून के क्रियान्वयन को लेकर तैयारियों में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक के ंद्र सरकार इस सप्ताह वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए एक नई वेबसाइट शुरू कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि केंद्र सरकार वक्फ के संचालन के नियमों को लेकर जल्दी ही राज्यों के साथ विचार-विमर्श करने की योजना बना रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नई वेबसाइट पर देशभर की वक्फ संपत्तियों का पूरा ब्योरा होगा, जिसमें उनके मुतवल्लियों की संपत्ति भी शामिल होगी। वहीं केंद्र सरकार वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के लिए नियम बनाने के लिए राज्य सरकारों से भी चर्चा करेगी। बता दें कानून के तहत राज्य स्तरीय वक्फ बोर्ड राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में होंगे और उनमें राज्य सरकारों का प्रतिनिधित्व भी होगा। राज्यों से सलाह और सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद केंद्र सरकार वक्फ संपत्तियों और वक्फ बोर्ड के लिए नियमों को अधिसूचित कर सकती है। इससे पहले केंद्र सरकार ने बीते अप्रैल माह में वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया था, जिसके बाद 5 अप्रैल को इसे

राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। हालांकि इसके बाद कुछ मुस्लिम संगठनों और सांसदों ने इस कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। वहीं केंद्र सरकार ने इन याचिकाओं के विरुद्ध संशोधित वक्फ अधिनियम का समर्थन करते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया था। बीते माह तीन दिनों तक चली सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

देश में अवैध रूप से रह रहे हजारों बांग्लादेशियों को वापस भेजा, कार्रवाई जारी

गुजरात, दिल्ली, हरियाणा के बाद अन्य राज्यों में भी शुरु होगा ऑपरेशन

नई दिल्ली।

भारत ने घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई जारी है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक बीते माह इस ऑपरेशन के शुरू होने के बाद से देश में अवैध रूप से रह रहे हजारों बांग्लादेशियों को उनके देश वापस भेजा गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 2000 घुसपैठियों को सीमा पार भेजा जा चुका है और यह कार्रवाई जारी है। इस दौरान भारत बांग्लादेश बॉर्डर पर तनाव बढ़ने की खबरें भी सामने आई हैं।

मीडिया रिपोर्ट में सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारतीय अधिकारियों ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद से 2000 से ज्यादा अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस उनके देश भेजा है।

अधिकारियों ने इससे पहले देश भर में सत्यापन भी शुरू किया है। सूत्रों ने बताया कि बड़ी कार्रवाई के बाद एक्शन से डर से 2000 से ज्यादा घुसपैठिए खुद बॉर्डर के पास पहुंचे हैं। रिपोर्ट में सरकारी सूत्र के हवाले से बताया गया है कि यह प्रक्रिया लगातार जारी है। लोगों के दस्तावेजों की जांच कर उनके खिलाफ एक्शन लिया जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से इस प्रक्रिया में और तेजी आई है। गुजरात, दिल्ली और हरियाणा से इसकी शुरुआत हुई है। जल्द ही अन्य राज्यों में भी इसकी शुरुआत की जाएगी। जानकारी के मुताबिक जिन लोगों को वापस भेजा गया है उनमें से करीब आधे गुजरात के हैं। वहीं दिल्ली और हरियाणा से भी बड़ी संख्या में घुसपैठियों को वापस भेजा गया।

इसके अलावा असम, महाराष्ट्र और राजस्थान से भी अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक अब तक इस प्रक्रिया में बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) भी सहयोग कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक असम, त्रिपुरा और मेघालय जैसे राज्यों में प्रक्रिया तेजी से जारी है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया कि अलग-अलग राज्यों से पकड़े गए घुसपैठियों को भारतीय वायुसेना के विमानों के जरिए इंडिया-बांग्लादेश बॉर्डर पर लाया जा रहा है।

इसके बाद इन्हें बीएसएफ को सौंप दिया जाता है, जो इन्हें अस्थाई शिविरों में रखते हैं। कुछ घंटों की हिरासत के बाद उन्हें सीमा के जरिए बांग्लादेश भेज दिया जाता है।

राजस्थान के ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का निधन

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जताया शोक

जयपुर।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी और राजस्थान के ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक का 58 साल की उम्र में निधन हुआ है। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनके निधन पर शोक जताया है। बताया जा रहा हैं आईएएस आलोक कई दिनों से बीमार थे। उनका सोमवार को दिल्ली में निधन हुआ। आलोक 1993 बैच के आईएएस अधिकारी थे। उनका जन्म 15 नवंबर 1966 को पटना में हुआ था। राज्यपाल बागडे ने उनके आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त कर ईश्वर से पुण्यात्मा को शांति देने और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। मुख्यमंत्री शर्मा ने शोक व्यक्त कर कहा, ''भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं राज्य के ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है।''उन्होंने लिखा, ''प्रभु श्री राम से प्रार्थना है

कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान व शोकाकुल परिवार को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।'' पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अन्य नेताओं ने भी आईएएस आलोक के आकस्मिक निधन पर शोक जताया है।

संक्षिप्त समाचार

सिक्किम में आर्मी कैंप पर भूस्खलन, 3 की मौत, 9 जवान लापता

सर्च ऑपरेशन जारी, 1500 से ज्यादा पर्यटक फंसे

गंगटोक(ईएमएस)। पूर्वोत्तर भारत के सिक्किम राज्य में रविवार शाम एक बड़ा हादसा हुआ। उत्तरी सिक्किम के चट्टन क्षेत्र में स्थित आर्मी कैंप पर हुए भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि भारतीय सेना के नौ जवान अब भी लापता बताए गए हैं। हादसा 01 जून की शाम लगभग 7 बजे हुआ। मृतकों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। लापता जवानों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव दल युद्धस्तर पर अभियान चला रहे हैं। भूस्खलन इतना तीव्र था कि आसपास के कई घर भी इसकी चपेट में आ गए। सेना और प्रशासन के संयुक्त प्रयास से मलबे में दबे लोगों को निकालने का कार्य जारी है। उत्तर सिक्किम में भारी बारिश और भूस्खलन के चलते लोचन और लाचुंग क्षेत्रों में लगभग 1,500 पर्यटक फंस गए। मंगन जिले के एसपी सोनम देचू भूटिया के अनुसार, लाचेन में 115 और लाचुंग में 1,350 पर्यटक अलग-अलग होटलों और गेस्टहाउसों में ठहरे हुए हैं। राहत की बात यह है कि लाचुंग के लिए सड़क संपर्क बहाल कर दिया गया है, और आज से पर्यटकों की निकासी शुरू की जा रही है।

बीआरओ ने तेज़ी से संभाली स्थिति

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने लाचुंग-चुंगथंग-शिपग्येरे-शंकलांग-डिकचू रोड पर जमा मलबा हटाकर रास्ता साफ किया है। सस्पेंशन ब्रिज पर आई दरारों को भर दिया गया है, जिससे राहत कार्य में तेजी आई है।

यूपी में 40 दिन में 3 टंकियां गिरीं

लखनऊ।

यूपी में जल जीवन मिशन से लोगों को उम्मीद जगी कि अब घर तक पानी आएगा। इंतजार खत्म हुआ, लेकिन टंकियां गिरने से उम्मीद टूटने लगी। सीतापुर में 3 दिन पहले अचानक ढाई लाख लीटर की पानी टंकी तेज धमाके के साथ फट गई। कुछ सेकेंड तक बादल फटने जैसा मंजर दिखा। घरों में 1 फीट तक पानी भर गया। यह पहली बार नहीं है, 40 दिन में यूपी में गिरने वाली यह तीसरी टंकी है। लखीमपुर और कानपुर में इसी तरह से पानी की टंकियां धड़ाम हो गईं। तीनों टंकियों में एक समानता है, सभी जिंक एलम की हैं।

विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं चिराग

पटना।

लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। लोजपा रामविलास पार्टी ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार चिराग पासवान सुरक्षित सीट के बजाए सामान्य सीट से विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। सीटों के चयन को लेकर पार्टी मंथन करने में जुटी है। पिछले दिनों लोजपा रामविलास पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों और मोर्चा की बैठक हुई, जिसमें कई प्रस्ताव पास किए गए, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण था कि चिराग पासवान को विधानसभा चुनाव लडऩे का। चिराग पासवान बिहार विधानसभा का चुनाव नीतीश कुमार के अगुआई में लड़ेंगे और एनडीए की मजबूती के लिए साथ प्रचार करेंगे।

मई में दो लाख करोड़ वसूला गया जीएसटी

टूटा रिकॉर्ड, पिछले साल से 16 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली।

जीएसटी वसूली में मई महीने में रिकॉर्ड टूट गया है। मई महीने में 2,01,050 करोड़ रुपये जीएसटी वसूली हुई। इस महीने में पिछले साल के मुकाबले 16.4 फीसदी अधिक जीएसटी संग्रह किया गया। इससे पहले अप्रैल महीने में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढक़र 2.37 लाख करोड़ के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2024 में वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये था। यह 01 जुलाई 2017 से जीएसटी लागू होने के बाद दूसरा सबसे अधिक संग्रह था। मार्च 2025 में जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा था। वहीं मार्च में सकल जीएसटी संग्रह 9.9 प्रतिशत बढक़र 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। मार्च में घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 8.8 प्रतिशत बढक़र 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 13.56 प्रतिशत बढक़र 46,919 करोड़ रुपये हो गया।